epaper.dehatsandesh.com

3 मोबाइल के दुष्प्रभावों के प्रति किया जागरूक
5 कप्तान पंत पर लगा 12 लाख का जुर्माना
8 शिवसेना ने जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य दर्जे और अधिकार बहाली की मांग की

मौसम जम्मू न्यूनतम 25 अधिकतम 38

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-119 | जम्मू तवी, रविवार 17 मई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

यदि पाकिस्तान आतंकवाद का समर्थन जारी रखेगा तो इतिहास बन जाएगाः सेना प्रमुख

नई दिल्ली, 16 मई। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए शनिवार को कहा कि उसे आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ गतिविधियां बंद करनी होंगी, अन्यथा उसे यह तय करना होगा कि वह भूगोल का हिस्सा बना रहना चाहता है या इतिहास का हिस्सा बनना चाहता है।

यहां मानेकशॉ सेंटर में 'यूनिफॉर्म अनवील्ड' द्वारा आयोजित 'सेना संवाद' नामक इंटरैक्टिव सत्र को संबोधित करते हुए, और ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ के कुछ दिनों बाद, जनरल द्विवेदी ने कहा,

मुझे लगता है कि यदि आपने मुझे पहले सुना है, तो मैंने कहा था कि पाकिस्तान यदि आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ काम करना जारी रखता है, तो उसे तय करना होगा कि वह भूगोल का हिस्सा बने रहना चाहता है या इतिहास का हिस्सा बनना चाहता है।

ऑपरेशन सिंदूर जैसी परिस्थितियां दोबारा उत्पन्न होने पर भारतीय सेना की प्रतिक्रिया से जुड़े

एक प्रश्न के उत्तर में जनरल द्विवेदी ने कहा कि सीमा पार आतंकवाद को लेकर भारत का रुख बिल्कुल स्पष्ट और अपरिवर्तित है।

उन्होंने कहा, यदि पाकिस्तान आतंकवादियों को शरण देना और भारत के खिलाफ कार्रवाई करना जारी रखता है, तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

सेना प्रमुख ने इस मुद्दे पर अपने पूर्व बयानों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत पहले ही सीमा पार से फैलाए जा रहे आतंकवाद पर अपना स्पष्ट रुख सामने रख चुका है।

गौरतलब है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पिछले वर्ष पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी संगठनों से जुड़े उकसावे और आतंकी हमलों की श्रृंखला के बाद शुरू किया गया था। इस अभियान के तहत भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में स्थित आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाते हुए सटीक हमले किए थे। बाद में दोनों देशों के बीच सैन्य तनाव और बढ़ गया, जब पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू की। भारत की जवाबी कार्रवाई और उसके बाद किए गए प्रतिआक्रमण भी ऑपरेशन सिंदूर के व्यापक ढांचे के तहत संचालित किए गए। यह संघर्ष चार दिनों तक चला। अंततः पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) ने अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क कर युद्धविराम का अनुरोध किया, जिसके बाद शत्रुता समाप्त हुई। सैन्य अधिकारियों ने पहले बताया था कि भारत की वायु रक्षा प्रणालियों, जिनमें भारतीय वायुसेना की एयर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम भी शामिल है, ने संघर्ष के दौरान पाकिस्तान द्वारा छोड़े गए कई स्वार्म ड्रोन को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया था आधिकारिक विवरणों के अनुसार, इस तनावपूर्ण स्थिति के दौरान पाकिस्तान भारत की किसी भी प्रमुख सैन्य स्थापना को नुकसान पहुंचाने में विफल रहा।

नीदरलैंड में बोले मोदी, भारत अवसरों की भूमि, भारतीय समुदाय से निवेश और सहयोग का किया आह्वान

हेग 16 मई । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 21 वीं सदी के भारत को अवसरों की भूमि बताते हुए नीदरलैंड में भारतीय समुदाय से भारत में निवेश तथा सहयोग बढाने का आह्वान किया और विश्वास जताया कि विकसित भारत की यात्रा में वैश्विक भारतीय समुदाय की बड़ी भूमिका होगी। पांच देशों की यात्रा के दूसरे चरण में दो दिन की यात्रा पर शुक्रवार रात यहां पहुंचे श्री मोदी ने शनिवार को भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की । भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए उन्होंने उन लोगों को दोनों देशों के संबंधों की असली ताकत तथा जीवंत सेतु करार दिया और कहा कि सरकार ने सूरीनामी हिंदुस्तानी समाज के लिए ओसीआई कार्ड पात्रता चौथी पीढ़ी से बढ़ाकर छठी पीढ़ी तक कर दी है।

श्री मोदी ने आर्थिक, प्रौद्योगिकी क्षेत्र और लोकतांत्रिक उपलब्धियों को रेखांकित किया तथा उन लोगों से भारत-नीदरलैंड संबंधों को नई ऊंचाई देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत आज असीम आकांक्षाओं और असीम प्रयासों के साथ दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि नीदरलैंड के नेताओं ने हमेशा भारतीय प्रवासी समुदाय की प्रशंसा की है और यहां रह रहे भारतीय डच समाज के लोग अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने भारतीय प्रवासियों की सांस्कृतिक जड़ों की सराहना करते हुए कहा कि पीढ़ियां बदलने और देशों की सीमाएं बदलने के बावजूद भारतीयों ने अपनी भाषा, संस्कृति, त्योहार और परंपराओं को जीवित रखा है। उन्होंने कहा कि भारतीय समुदाय केवल प्रवास की कहानी नहीं बल्कि संघर्ष, संस्कृति और प्रगति की जीवंत मिसाल है।

भारत की विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। उन्होंने बताया कि 2014 में भारत में केवल चार यूनिकॉर्न थे जबकि आज यह संख्या करीब 125 तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा, अंतरिक्ष और सेमीकंडक्टर क्षेत्रों में भारतीय स्टार्टअप वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब मोबाइल फोन निर्माण में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश बन चुका है और देश में 12 सेमीकंडक्टर संयंत्रों पर काम चल रहा है। उन्होंने दावा किया कि भारत में अब डिज़ाइन्ड इन इंडिया और मेड इन इंडिया चिप्स का उत्पादन शुरू हो रहा है। उन्होंने डिजिटल इंडिया अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल सार्वजनिक ढांचा विकसित कर चुका है। उन्होंने कहा कि हर महीने भारत में 20 अरब से अधिक यूपीआई लेनदेन हो रहे हैं, जो वैश्विक डिजिटल लेन -देन का आधे से अधिक हिस्सा है।

खबर संक्षेप

भीषण आग से तीन दुकानें जलकर खाक

जम्मू, 16 मई। शनिवार सुबह जम्मू जिले के अखनूर में भीषण आग लग गई जिससे तीन दुकानें जलकर खाक हो गईं और लाखों रुपये की संपत्ति और सामान का भारी नुकसान हुआ।

अधिकारियों और स्थानीय लोगों के अनुसार आग ने दो हार्डवेयर स्टोर और एक मिठाई की दुकान को अपनी चपेट में ले लिया जिससे प्रतिष्ठान और अंदर रखा सामान कुछ ही समय में राख हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जैसे ही आग की लपटें तेजी से बढ़ीं बाजार क्षेत्र में घना धुआं छा गया और पूरे इलाके में दहशत फैल गई। आग लगते ही स्थानीय लोग और दुकानदार मौके पर पहुंचे और दमकल कर्मियों के पहुंचने से पहले ही आग बुझाने की कोशिश की।

अधिकारियों ने बताया कि आग से प्रभावित दुकानों के अंदर रखे व्यावसायिक सामान, फर्नीचर, उपकरण और भंडारित सामग्री को भारी नुकसान हुआ। बाद में अग्निशमन और आपातकालीन सेवा कर्मियों ने आग पर काबू पाने और उसे आसपास की इमारतों में फैलने से रोकने के लिए अभियान चलाया।

जम्मू में आज से शुरू होगी जनगणना 2026

जम्मू,, 16 मई । जम्मू नगर निगम के निगमायुक्त डॉ. देवांश यादव ने जनगणना 2026 को लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि शहर में 17 मई से जनगणना प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

उन्होंने कहा कि जम्मू शहर में जनगणना कार्य के लिए निगम की 1200 से अधिक टीमें तैनात की गई हैं जो घर-घर जाकर आंकड़े एकत्र करेंगी।

निगमायुक्त ने बताया कि लोग स्वयं भी ऑनलाइन माध्यम से अपने परिवार की जनगणना कर सकते हैं।

इसके लिए विशेष डिजिटल सुविधा उपलब्ध कराई गई है ताकि लोग आसानी से अपनी जानकारी दर्ज कर सकें।

उन्होंने कहा कि जम्मू शहर की आबादी करीब 8 लाख है और सभी नागरिकों से अपील की कि वे जनगणना टीमों का सहयोग करें तथा सही और पूरी जानकारी उपलब्ध करवाएं।

उन्होंने बताया कि जनगणना के आंकड़े भविष्य की विकास योजनाओं और सरकारी नीतियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं।

नशीले पदार्थों के तस्करों से संबंधित लगभग 6 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति और एक वाहन जब्त

श्रीनगर, 16 मई । चल रहे नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत मादक पदार्थों की तस्करी और नशीले पदार्थों से संबंधित गतिविधियों पर अपनी कड़ी कार्रवाई जारी रखते हुए श्रीनगर पुलिस ने आज कुख्यात नशीले पदार्थों के तस्करों से संबंधित लगभग 6 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति और एक वाहन को एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के तहत जब्त कर लिया। यह कार्रवाई श्रीनगर पुलिस ने खानयार पुलिस स्टेशन के माध्यम से नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेस (एनडीपीएस) अधिनियम की धारा 68-एफ के तहत तीन आरोपियों के खिलाफ की जो कई नशीले पदार्थों से संबंधित मामलों में शामिल थे। अधिकारियों के अनुसार जब्त की गई संपत्तियों में खानयार के कूलीपोरा में 4.5 मरला जमीन पर निर्मित एक दो मंजिला आवासीय मकान और आठ दुकानें शामिल हैं जो नजीर अहमद मीर उर्फ नजीर लश्करी की हैं। लगभग 3.2 करोड़ रुपये मूल्य की इस संपत्ति को खानयार पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20 के तहत दर्ज एफआईआर संख्या 08/2020 के संबंध में जब्त किया गया। पुलिस ने गुलजार अहमद मीर के स्वामित्व वाली बागी रूप सिंह, मिस्कीन बाग स्थित एक स्कॉर्पियो वाहन (पंजीकरण संख्या जेके01एडब्ल्यू-8898) जिसकी कीमत लगभग 20 लाख रुपये है के साथ-साथ सात मरला जमीन और एक अस्थायी ढांचा भी जब्त कर लिया है। इन संपत्तियों का कुल मूल्य लगभग 1.8 करोड़ रुपये आंका गया है। यह कुर्की एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21/29 के तहत दर्ज एफआईआर संख्या 08/2026 के संबंध में की गई है।एक अन्य कार्रवाई में जाहिद मंजूर राथर के स्वामित्व वाले लोन मोहल्ला, नौपोरा खानयार में नौ मरला जमीन पर बने एक मंजिला आवासीय मकान को भी जब्त कर लिया गया है। इस संपत्ति का मूल्य लगभग 80 लाख रुपये है और यह एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20 के तहत दर्ज एफआईआर संख्या 96/2020 से संबंधित है। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान जब्त की गई संपत्तियों की पहचान मादक पदार्थों की तस्करी और व्यापार से प्राप्त अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों के रूप में की गई।

श्रीनगर पुलिस ने समाज से मादक पदार्थों के खतरे को खत्म करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया और कहा कि चल रहे मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान के तहत जम्मू और कश्मीर भर में मादक पदार्थों के तस्करों और उनकी अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

विदेश मंत्रालय ने सिंधु जल न्यायालय के फैसले को खारिज किया, संधि स्थगन का बचाव किया

नई दिल्ली, 16 मई। भारत ने शनिवार को सिंधु जल संधि विवाद पर कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (सीओए) द्वारा जारी नवीनतम फैसले को खारिज करते हुए कहा कि यह न्यायाधिकरण अवैध रूप से गठित किया गया था और नई दिल्ली इसकी वैधता या अधिकार क्षेत्र को मान्यता नहीं देती।

मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत 15 मई को तथाकथित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन द्वारा सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) से जुड़े मामलों पर दिए गए फैसले को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करता है।

उन्होंने कहा कि भारत लगातार इस मध्यस्थता निकाय के गठन का विरोध करता रहा है और इसके द्वारा जारी सभी कार्यवाहियों और निर्णयों को फ्रअमान्य और शून्यफ्र

मानता है।

जायसवाल ने कहा, फ्रअवैध रूप से गठित तथाकथित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन ने सिंधु जल संधि की सामान्य व्याख्या से संबंधित फैसले के अतिरिक्त अधिकतम जल भंडारण क्षमता (मैक्सिमम पोंडेज) पर एक तथाकथित निर्णय जारी किया है।

उन्होंने कहा कि भारत ने कभी भी इस न्यायाधिकरण के गठन को स्वीकार नहीं किया और दोहराया कि सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का भारत का निर्णय जारी रहेगा।

जम्मू-कश्मीर में पंचायत मतदाता संख्या पहुंची 72 लाख

जम्मू,, 16 मई । जम्मू-कश्मीर में पंचायत मतदाताओं की संख्या बढ़कर करीब 72 लाख पहुंच गई है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा लगभग दो महीने तक चलाए गए विशेष पुनरीक्षण अभियान के बाद अंतिम मतदाता सूची 20 मई को प्रकाशित की जाएगी। इस बार मतदाता संख्या में लगभग 3.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

जानकारी के अनुसार पहले पंचायतों में कुल 69.80 लाख मतदाता थे जबकि पुनरीक्षण के बाद करीब 3.50 लाख नए मतदाता जोड़े गए और 1.25 लाख नाम हटाए गए हैं। राज्य निर्वाचन आयुक्त शान्तमनु ने बताया कि पंचायत चुनावी सूची संशोधन प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और अंतिम सूची जल्द जारी होगी।

वहीं शहरी स्थानीय निकायों की मतदाता सूची विधानसभा की विशेष गहन पुनरीक्षण या विशेष सारांश पुनरीक्षण प्रक्रिया से ली जाएगी। हालांकि चुनाव आयोग ने जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में मौसम की स्थिति को देखते हुए एसआईआरप्रक्रिया फिलहाल टाल दी है।

इस बीच राज्य निर्वाचन आयोग अब भी अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट पर सरकार के जवाब का इंतजार कर रहा है। सूत्रों के अनुसार स्थानीय निकाय चुनाव ओबीसी आरक्षण पर सरकार के निर्णय के बाद ही संभव हो पाएंगे। जम्मू-कश्मीर में वर्तमान में पंचायत, बीडीसी, डीडीसी और नगर निकायों का कार्यकाल समाप्त हो चुका है और सभी स्थानीय निकाय फिलहाल निर्वाचित प्रतिनिधियों के बिना हैं।

जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट ने आतंकी नावेद मुश्ताक के भाई सैयद इरफान अहमद की जमानत याचिका खारिज की

जम्मू, 16 मई । जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने हिजबुल मुजाहिदीन आतंकी नावेद मुश्ताक उर्फ नावेद बाबू के भाई सैयद इरफान अहमद की जमानत याचिका खारिज कर दी है। यह मामला आतंकी साजिश और निलंबित डीएसपी दविंदर सिंह से जुड़े प्रकरण से संबंधित है।

उच्च न्यायालय की डिवीजन बेंच जिसमें जस्टिस सिंधु शर्मा और जस्टिस शहजाद अज़ीम शामिल थे, ने विशेष एनआईए अदालत जम्मू के फैसले को बरकरार रखा। अदालत ने कहा कि रिकॉर्ड पर उपलब्ध सामग्री से प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट होता है कि आरोपित आतंकी साजिश, आतंकियों को सहायता पहुंचाने और देश के खिलाफ युद्ध जैसी गतिविधियों में शामिल था।

अदालत के अनुसार आरोपित कथित रूप से हिजबुल आतंकी नावेद बाबू, अधिवक्ता इरफान शफी मीर और निलंबित डीएसपी दविंदर सिंह के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा था। जांच में कॉल डिटेल रिकॉर्ड सहित अन्य साक्ष्यों से आरोपितों के बीच लगातार संपर्क और आतंकियों को परिवहन, पनाह तथा लॉजिस्टिक सहायता देने की बात सामने आई है।

उच्च न्यायालय ने कहा कि यूएपीए मामलों में सामान्य आपराधिक मामलों जैसी जमानत की नीति लागू नहीं होती।

अदालत ने उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों का हवाला देते हुए कहा कि बेल नियम है और जेल अपवाद का सिद्धांत आतंकवाद से जुड़े मामलों में अलग तरीके से देखा जाता है।यह मामला जनवरी, 2020 का है जब हिजबुल आतंकी नावेद बाबू, एक अन्य आतंकी, निलंबित डीएसपी दविंदर सिंह और अधिवक्ता इरफान शफी मीर को कुलगाम में गिरफ्तार किया गया था।

जम्मू-कश्मीर लोक भवन ने श्रीनगर में सिक्किम राज्य स्थापना दिवस मनाया

श्रीनगर, 16 मई । जम्मू-कश्मीर लोक भवन ने श्रीनगर में सिक्किम राज्य स्थापना दिवस मनाया।इस कार्यक्रम में छात्र, सुरक्षाकर्मी और केंद्र शासित प्रदेश में रहने वाले सिक्किम निवासी शामिल हुए।

सभा को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस अवसर पर सिक्किम के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।उपराज्यपाल ने कहा, गुरु पद्मसंभव की पवित्र भूमि सिक्किम, हिमालयी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एक तेजस्वी सितारे की तरह चमकती है। इसे जैविक खेती, शांति और आध्यात्मिकता के आदर्श के रूप में विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है। अविश्वसनीय भाषाई विविधता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत सिक्किम को विश्व मंच पर विशिष्ट बनाती है।

उपराज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सिक्किम विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और राष्ट्र के विकास के मार्ग में अग्रणी है।

उपराज्यपाल ने कहा कि सभी भारतीय राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के बीच साझा भावनात्मक बंधन एकता, करुणा और भाईचारे के मूल मूल्यों में गहराई से निहित है।

उपराज्यपाल ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि जुलाई 2022 में जम्मू-कश्मीर-सिक्किम के बीच हुए ऐतिहासिक बागवानी समझौते ने दोनों क्षेत्रों के युवाओं, किसानों और शोधकर्ताओं के बीच आपसी सहयोग को बढ़ावा देने में

अभूतपूर्व परिणाम दिए हैं।

उन्होंने कहा, मैं इस फलते-फूलते सहयोग को एक भारत श्रेष्ठ भारत का एक उत्कृष्ट उदाहरण मानता हूं। आपसी साझेदारी की यह भावना विकसित भारत के हमारे सामूहिक संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अपनी मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता और सतत विकास एवं जैविक खेती में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए प्रसिद्ध सिक्किम, विकास की नई ऊंचाइयों को छूता रहे। मैं यहां के सभी नागरिकों के कल्याण और समृद्धि के लिए प्रार्थना करता हूं।

कई एनडीपीएस मामलों में शामिल एक पति-पत्नी का आवासीय मकान ध्वस्त

कुलगाम, 16 मई । मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में पुलिस और जिला प्रशासन ने संयुक्त रूप से कुलगाम जिले में कई एनडीपीएस मामलों में शामिल एक पति-पत्नी के आवासीय मकान को ध्वस्त कर दिया।

अधिकारियों ने बताया कि ध्वस्त संपत्ति कुख्यात मादक पदार्थों के तस्करों मोहम्मद रमजान डार के पुत्र नफीज अहमद डार जो ब्राजलू जागीर के निवासी हैं और उनकी पत्नी रुकिया जान की थी। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार नफीज अहमद डार यारीपोरा पुलिस स्टेशन में दर्ज एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/15 के तहत एफआईआर संख्या 143/2020 और कुलगाम पुलिस स्टेशन में दर्ज एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20 के तहत एफआईआर संख्या 10/2021 में शामिल हैं। उसकी पत्नी रुकिया जान भी कई नशीले पदार्थों से संबंधित मामलों का सामना कर रही हैं जिनमें अनंतनाग पुलिस स्टेशन में दर्ज एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20 और 21 के तहत एफआईआर संख्या 27/2023 और यारीपोरा पुलिस स्टेशन में दर्ज एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21 के तहत एफआईआर संख्या 10/2024 शामिल हैं।

राजौरी के कोटरंका में जंगली सब्जी खाने से एक की मौत

जम्मू,, 16 मई । राजौरी जिले के कोटरंका क्षेत्र में जंगली सब्जी खाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि सात अन्य लोगों की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक की पहचान मोहम्मद हुसैन निवासी कोटरंका के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार सभी लोगों ने किसी जंगली सब्जी का सेवन किया था जिसके बाद उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। हालत गंभीर होने पर उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया जहां मोहम्मद हुसैन ने दम तोड़ दिया। बाकी सात लोगों का इलाज जारी है और डॉक्टर उनकी हालत पर नजर बनाए हुए हैं।

घटना के बाद इलाके में चिंता का माहौल है। स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन मामले की जांच में जुट गए हैं तथा लोगों से बिना पहचान वाली जंगली वनस्पतियों और सब्जियों का सेवन न करने की अपील की गई है।

सूरज से सहेजे सनस्क्रीन

त्वचा को धूप से बचाने के लिए बाजार में तमाम तरह की सनस्क्रीन क्रीम और लोशन उपलब्ध हैं। अगर आप भी इनका इस्तेमाल करती हैं तो जानें कुछ खास बातें बाजार से सनस्क्रीन क्रीम या लोशन खरीदते समय एसपीएफ की मात्रा के अलावा कई और बातों पर गौर करना भी जरूरी है, मसलन आपकी त्वचा की किस्म क्या है? कितनी बार और कितनी मात्रा में इसका इस्तेमाल करना चाहिए? धूप में किस तरह की गतिविधि के लिए सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना है? त्वचा सनस्क्रीन को किस मात्रा में सोखती है? कैसे करें इस्तेमाल पानी के संपर्क में आने या पसीने की वजह से एसपीएफ युक्त सनस्क्रीन का असर खत्म होने लगता है। इससे अल्ट्रावायलेट किरणें त्वचा को आसानी से नुकसान पहुंचाती हैं। इसके लिए बेहद जरूरी है कि सनस्क्रीन की मोटी परत त्वचा पर लगाई जाए, जैसे केक पर आइसिंग की जाती है। संवेदनशील त्वचा अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है तो

आपको हाइपोएलर्जेनिक द्रव्य से युक्त सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना चाहिए, पर यह खुशबूदार न हो ध्यान रखना जरूरी है। टाइटेनियम डाइऑक्साइड व जिंक ऑक्साइड नाम के खनिज अल्ट्रावायलेट ए और अल्ट्रावायलेट बी किरणों का मुकाबला कर त्वचा की रक्षा करते हैं। दोषयुक्त त्वचा अगर आपके चेहरे पर कील, मुंहासे हैं तो ऐसी त्वचा के लिए ऑयल फ्री सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना बेहतर होगा, मसलन एसपीएफ 50 युक्त ऑयल फ्री सनस्क्रीन। ऑयली त्वचा अगर आपकी त्वचा बहुत ज्यादा ऑयली है तो चिपचिपी सनस्क्रीन से परहेज करें। तेल रहित सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। रूखी त्वचा अगर आपकी त्वचा रूखी है तो ग्लिसरीन और एलोवेरा युक्त सनस्क्रीन या लोशन का इस्तेमाल करें। अगर सनस्क्रीन स्प्रे या जेल के रूप में इस्तेमाल करती हैं तो इसे तुरंत रोक दें, ये त्वचा को और रूखी बनाते हैं।

आंखों की खूबसूरती बढ़ता है मस्कारा

मस्कारा आंखों की बरौनियां सजाने-संवारने वाला एक ऐसा सौंदर्य प्रसाधन है जो उच्च एवं मध्यम वर्ग की किशोरियों तथा युवतियों में आजकल खासा लोकप्रिय है क्योंकि यह 'आर्टीफीशियल टच' दिए बिना ही चेहरे का नैचुरल लुक बढ़ाता है.

आकर्षण प्रधान करता है

आंखों की खूबसूरती में सुंदर बरौनियों का क्या स्थान होता है यह बताने की आवश्यकता नहीं. आंखों के दोनों और निरंतर गिरती-उठती, लम्बी, घनी बरौनियां अनायास ही देखने वाले का मन मोह लेती हैं. मस्कारा इन्हीं बरौनियों को सौंदर्य, सघनता एवं आकर्षण प्रदान करता है. आंखों की खूबसूरती में बरौनियों का स्थान महत्वपूर्ण माना जाता है और मस्कारा इन्हें सौंदर्य, सघनता एवं आकर्षण प्रदान करने वाला अनूठा सौंदर्य प्रसाधन माना जाता है. इसके इस्तेमाल का सही तरीका जान कर आप अपनी आंखों की खूबसूरती को और अधिक निखार सकती है.

अलग-अलग किस्में

आजकल बाजार में क्रीम, लिक्विड तथा केक के रूप में तीन तरह के मस्कारा उपलब्ध हैं परंतु आमतौर पर लिक्विड वाला मस्कारा ही मुख्यत: प्रचलन में है. यह तरल रूप में एक छोटी शीशी में आता है. इसके साथ एक गोलाकार ब्रश भी होता है जिसकी सहायता से मस्कारा को बरौनियों में लगाया जाता है. पलकों की जड़ के किनारो की ओर मस्कारा लगाते समय बरौनियों को इस ब्रश से घुमावदार भी बनाया जा सकता है.

वाटर प्रूफ

इसके अतिरिक्त बरसात मे लगाने का वाटरप्रूफ मस्कारा भी बाजार में मिलता है. इसे बरसात के मौसम में घर से बाहर निकलते समय अथवा स्वीमिंग या नहाने से पहले लगाया जा सकता है. इसका बेस तत्व एक विशिष्ट तेल होता है जो जल के सम्पर्क में आने पर भी मस्कारा को घुलने नहीं देता.

विभिन्न रंग

मस्कारा अनेक रंगों में उपलब्ध होते हैं. इसमें काला, गहरा भूरा, नीला, हरा, स्लेटी आदि रंग प्रमुख होते हैं. आंखों में तथा पलकों पर उसके स्वाभाविक रंग से मिलता-जुलता मस्कारा लगाने पर दिखने में अधिक आकर्षक लगता है. इसी कारण काला एवं गहरा भूरा मस्कारा सबसे अधिक प्रचलन में है.

ग्लैमरस लुक

नीला और हल्का-सा हरापन लिए आंखों वाली युवतियां 'ग्लैमरस लुक' के लिए रंगीन मस्कारा का प्रयोग कर सकती हैं. कई लोगों का यह भी मानना है कि मस्कारा मन के भावों को आंखों के माध्यम से व्यक्त करने का एक सहज ही सौंदर्य प्रसाधन है क्योंकि मस्कारा लगाने के बाद आंखें हिरणी-सी चंचलता वाली दिखाई देने लगती हैं और आकर्षक होने के कारण सहज ही दूसरों को अपनी ओर आकर्षित कर लेती हैं.

मेकअप को पूर्णतया प्रदान करता है

मस्कारा का प्रयोग मेकअप को पूर्णता प्रदान करने के लिए सबसे अंत में किया जाता है. इसे आइने के सामने बैठकर स्वयं भी लगाया जा सकता है या फिर दूसरे से भी लगवाया जा सकता है.

आईने के सामने पड़ी मेज पर कुहनी टिका कर ब्रश से मस्कारा लगाना प्रारंभ करें. पलकों के भीतरी कोनों से बाहरी कोनों तक ब्रश फेरते हुए लाएं ताकि मस्कारा लगाने से पहले २-४ बार इसे लगाने का अभ्यास अवश्य करें.

मस्कारा के प्रयोग से पूर्व बरौनियों पर पाऊडर का हल्का-सा स्पर्श दें ताकि मस्कारा बरौनियों पर अधिक देर तक टिका रहे. मस्कारा लगाते समय ऊपर की बरौनियों पर दो कोट अवश्य ही करने चाहिएं. पहला 'कोट' ऊपर की ओर तथा उसके सूख जाने के बाद दूसरा 'कोट' बरौनियों के भीतरी तरफ से करें. इसके बाद एक कोट नीचे की बरौनियों पर करें. अंत में लैशेज ब्रश से आहिस्ता-आहिस्ता झाड़ कर बरौनियां अलग-अलग कर दें.

यूं तो मस्कारा प्राय: शाम के समय ही लगाया जाता है परंतु दिन में इसका प्रयोग करना हो तो इसका ध्यान अवश्य रखना चाहिए कि मस्कारा की हल्की कोटिंग ही हो. शाम के समय गहरे रंग के मस्कारा का निश्चिंतता से प्रयोग किया जा सकता है. जिनकी आंखें गहरी होती हैं उन्हें मस्कारा अत्यधिक सुंदरता प्रदान करता है. मस्कारा से संबंधित निम्नांकित बातों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए-

- रात में सोने से पहले बरौनियों पर लगा मस्कारा अवश्य साफ करें.
- यह आंखों से जुड़ा सौंदर्य प्रसाधन है और आंखें शरीर के मुख्य भाग चेहरे का महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील अंग हैं. अत: मस्कारा लगाते समय पूर्ण सतर्कता बरतना आवश्यक होता है.
- अधिक दिन पुराने मस्कारा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए तथा मस्कारा खरीदते समय इसका भी ध्यान रखना चाहिए कि मस्कारा विश्वसनीय कम्पनी एवं अच्छी क्वालिटी का ही हो अन्यथा यह आंखों को नुक्सान भी पहुंचा सकता है.
- मस्कारा का अपना ब्रश न तो किसी दूसरे को इस्तेमाल करने दें और न ही स्वयं किसी का ब्रश इस्तेमाल करें.
- मस्कारा साफ करने के लिए थोड़ी-सी रुई लेकर उस पर थोड़ी-सी क्रीम लगा दें और आइने के साकने बैठ कर अन्य मेकअप के समान ही धीरे-धीरे बरौनियों पर से आहिस्ता-आहिस्ता मस्कारा उतारें ताकि पलकों के कोमल बालों को क्षति न पहुंचे. मस्कारा का प्रयोग रोज न करके कभी-कभार ही करना चाहिए. इसका भी ध्यान रखना आवश्यक है कि आंखों के लाल होने पर या आंखों के आ जाने पर मस्कारा का प्रयोग न करें.

ऐसे दिखें फ्रेश

दिनभर तरोताजा रहने के लिए पिपरमेंट बाथ ऑयल या लेमन बाथ ऑयल की दो-तीन बूंदें टब में डालें फिर स्नान करें। आप चाहें तो स्नान करने के कुछ समय पहले बाल्टी या टब में गुलाब की पत्तियां भी डाल सकती हैं। इसकी भीनी-भीनी खुश्बू आपको दिनभर तरोताजा रखेगी।

डीप क्लेंजिंग ट्रीटमेंट के लिए मिक्स करें समान मात्रा में मिल्क पाउडर, लेमन जूस व शहद। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर 10 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर पानी में अंगुलियों को भिगोकर धीरे-धीरे गोल-गोल [क्लॉक वाइज] छुड़ाना शुरू करें। बाद में ताजे पानी से चेहरा धोकर थोड़ा सा गुलाबजल लगा लें।

सूर्य की नुकसानदेह अल्ट्रावॉयलेट किरणों से त्वचा की सुरक्षा के लिए किसी अच्छी कंपनी का सनस्क्रीन लोशन या क्रीम लगाएं। विशेषज्ञों का कहना है कि एक बात याद रखें कि सनस्क्रीन लोशन या क्रीम का प्रयोग हर तीन-चार घंटे के अंतराल पर अवश्य करती रहें। तभी इसका सही फायदा मिल सकता है।

त्वचा की नमी बरकरार रखने के लिए किसी अच्छी कंपनी का एंटी टैन मॉइश्चराइजिंग लोशन लगाएं। इसके अलावा खीरे का ठंडा रस या ठंडे खीरे को काटकर चेहरे पर कुछ देर मलें। फिर ठंडे पानी से चेहरा धो लें। ऐसा करने त्वचा तरोताजा नजर आएगी।

बेजान और रूखी हो गई त्वचा में नई जान डालने के लिए आप सारा का थ्री इन वन फेसवाश इस्तेमाल करें। यह स्क्रब, पैक और फेसवाश तीनों का काम एक साथ करेगा अर्थात आपको तीनों का लाभ देगा।

मृत त्वचा को हटाने के लिए ताजा पपीता और ठंडे दही को मिक्स करके रोजाना चेहरा साफ करें। त्वचा में जान आएगी।

झटपट फेस लिफ्ट कराने के लिए चावल को भिगोकर इसका पेस्ट बनाएं। फिर इसे शहद में मिक्स करके चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। बाद में साफ पानी से चेहरा धो लें। आप एकदम से फेश लिफ्टिंग महसूस करेंगी।

कुछ ही सेकंड में चेहरे पर ताजगी लाने के लिए गुलाब जल स्प्रे का इस्तेमाल करें। गुणों से भरपूर यह स्प्रे आपको ताजगी का एहसास तो देगा ही। साथ ही चेहरे को नमी भी प्रदान करेगा।

रूखे हाथों को कोमल और सुंदर बनाने के लिए चीनी और शहद को मिक्स करके हाथों की स्क्रबिंग करें। बाद में साफ पानी से हाथों को साफ करें।

बोले चूड़ियां बोले कंगना

'सुहाग की प्रतीक चूड़ियां चाहे लाख की हों या हाथीदांत की, कांच की हों या प्लास्टिक की, मेटल की हों या फिर सोने की. चूड़ियां नारी श्रृंगार में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं.'

समय के साथ-साथ फैशन का भी पहिया घूमता है जैसे हर वक्त एक सा नहीं होता, ठीक उसी तरह फैशन भी स्थाई नहीं होता. मर्द भले ही चूड़ियों को कमजोरी और दासता का प्रतीक मानें और विरोधस्वरूप चूड़ियां भेंट करे, लेकिन इन सब चोंचलों से भी चूड़ियो की महत्ता में कभी कोई कमी नहीं आई है.

चूड़ियां आज नारी श्रृंगार में महत्वपूर्ण स्थान रखती है. हालांकि अब हर त्यौहार पर नई चूड़ियां पहनने का रिवाज कम हो गया है फिर भी कुछ खास मौकों पर इसकी खरीददारी में बढ़ोतरी होती है. अब चूड़ियां परंपरा से ज्यादा फैशन का हिस्सा बन गई है. सुहाग की प्रतीक चूड़ियां चाहें लाख की हों या प्लास्टिक की , मेटल की हों या फिर सोने की उतनी ही सुंदरता से कलाइयों को सजाती है. जब आप लाल, नीली, पीली, सुनहरी चूड़ियों में सजती-संवरती हैं तो बस कयामत आने की देर रहती है. चूड़ियों से ज्यादा आजकल कड़े फैशन में हैं. फिर कंगना और साजना का रिश्ता भी तो पुराना है. आखिर चूड़ी-कंगन की खन-खन से ही तो उसका दिल धड़कता है.

आजकल के लेटेस्ट ट्रेंड में बीड्स और मेटल की चूड़ियां सबसे ज्यादा चलन में हैं. त्यौहारों के मौकों पर मैचिंग चूड़ियों को भी कोई तोड़ नहीं होता. यदि आप बनारसी या जरी वर्क की साड़ी पहन रही हैं तो कांच की चूड़ियों के साथ सोने के कड़े का कांबिनेशन बहुत अच्छा लगेगा. जयपुरी, राजस्थानी ड्रेसेस पर लाख के कड़े, ब्लैक मेटल की चूड़ियां या हाथी दांत के सेट बहुत अच्छे लगते हैं और अगर मौका हो किसी सहेली की शादी का तो लेडिज संगीत तो होगा ही फिर ऐसे में आप कुछ ड्रेस कोई भी पहनें, लेकिन मल्टीकलर्स में ढेर सी चूड़ियां आपके हाथों में होनी ही चाहिए क्योंकि जब आप नाचें झूम कर 'मेरे हाथों में नौ-नौ चूड़ियां' या 'बोले चूड़ियां बोले कंगना' तो लगना भी तो चाहिए कि इस कंगना की खन-खनाहट सुनने के लिए कोई दिल थाम कर खड़ा है. यह तो आपको भी पता है कि चूड़ियों का रिवाज सदियों पुराना है. पहले यह सिर्फ रिवाज तक ही सीमित थी, लेकिन अब यह फैशन की दुनिया में अपना दखल रखने लगी है तभी तो जींस, स्कर्ट और मिनी जैसे आधुनिक परिधानों पर भी लड़कियां बिंदास चूड़ियां खनकाती नजर आती हैं.

फरीदाबाद हो या हैदराबाद, सीता हो या सलमा चूड़ियां सभी की पहली पसंद होती है. चूड़ियों की बात ही निराली है, तभी तो हर वर्ग, हर उम्र की पसंद रहती है. चूड़ियों की खासियत है कि यह हर रेंज में उपलब्ध है. आप चाहें तो तीस रुपए से लेकर तीन सौ रुपए तक की चूड़ियां अपने बजट के हिसाब से खरीद सकती हैं. हैदराबाद के बेगम बाजार में तो जैसे चूड़ियों की बहार होती है. आप वहां चली जाएं तो वहां से आने का मन नहीं करेगा. वहां इतने रंगों और डिजाइन की चूड़ियां होती है कि तय करना मुश्किल होता है.

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

मोबाइल फोन के दुष्प्रभावों पर जागरूकता संगोष्ठी

जम्मू, 16 मई (हि.स.)। आशा किरण वेलफेयर सोसाइटी द्वारा गवर्नमेंट गर्ल्स हाई स्कूल जानीपुर कॉलोनी जम्मू में मोबाइल फोन के दुष्प्रभाव विषय पर एक जागरूकता संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में कक्षा 8वीं से 10वीं तक के 13 विद्यार्थियों ने भाग लेकर मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से होने वाले नुकसान पर अपने विचार प्रस्तुत किए।प्रतियोगिता में कक्षा 9वीं के छात्र रिंकू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा 9वीं की छात्रा सानिया और कक्षा 10वीं की छात्रा सेहरत संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान पर रहीं जबकि कक्षा 9वीं की छात्रा प्रीति ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेताओं को सोसाइटी की ओर से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। निर्णायक मंडल में विद्यालय की हेड मिस्ट्रेस गीता रानी, स्टेज सेक्रेटरी यासमीन अख्तर तथा सोसाइटी के संगठन सचिव विनोद कुमार शामिल रहे।

कार्यक्रम के दौरान अन्य प्रतिभागी विद्यार्थियों को सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए तथा विद्यालय में स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डस्टबिन उपलब्ध करवाए गए। सोसाइटी के चेयरमैन डॉ. जे.पी. गुप्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने बताया कि इससे मस्तिष्क विकास, स्मरण शक्ति, दृष्टि क्षमता तथा गर्दन और रीढ़ की हड्डी पर नकारात्मक असर पड़ता है, साथ ही विद्यार्थियों का बहुमूल्य समय भी नष्ट होता है। कार्यक्रम में हरि चंद शर्मा, एस.एन. अबरोल, सुरिंदर भसीन, बोध राज शर्मा तथा पार्षद सुभाष दत्ता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर 30 से अधिक अध्यापकों और लगभग 200 विद्यार्थियों ने भाग लिया। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने मोबाइल फोन के उचित एवं विवेकपूर्ण उपयोग की सामूहिक शपथ ली।

नटरंग ने शुरू किया 'थिएटर फॉर स्कूल्स' अभिनव थिएटर में नाटक 'आप हमारे हैं कौन' के मंचन से हुई पहल की शुरुआत

जम्मू, 16 मई (हि.स.)। नटरंग ने अपने 43 वर्षों के रंगमंचीय सफर को नई दिशा देते हुए 'थिएटर फॉर स्कूल्स' मिशन की शुरुआत अभिनव थिएटर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित नाटक 'आप हमारे हैं कौन' के प्रभावशाली मंचन के साथ की। नाटक का लेखन एवं निर्देशन प्रसिद्ध रंगकर्मी बलवंत ठाकुर ने किया। इस पहल का उद्देश्य स्कूलों में थिएटर को पेशेवर और परिवर्तनकारी तरीके से पहुंचाना है ताकि विद्यार्थी अभिनय कला के शैक्षिक और भावनात्मक महत्व को समझ सकें। कार्यक्रम में क्षेत्र के कई प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी और शिक्षक शामिल हुए जिनमें दिल्ली पब्लिक स्कूल जम्मू, केसी पब्लिक स्कूल, जम्मू संस्कृति स्कूल, केसी इंटरनेशनल स्कूल, सेंशिया इंटरनेशनल स्कूल और श्री

राम यूनिवर्सल स्कूल सहित कई संस्थान शामिल रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में बलवंत ठाकुर ने थिएटर की परिवर्तनकारी शक्ति पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि रंगमंच बच्चों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास, संवाद क्षमता और रचनात्मकता को निखारने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने बताया कि अपनी सहयोगियों नीरज कांत और सुमीत शर्मा के साथ मिलकर उन्होंने बच्चों के लिए थिएटर प्रशिक्षण की नई कार्यप्रणाली विकसित की है। नाटक 'आप हमारे हैं कौन' का मंचन इसी नई प्रशिक्षण पद्धति के तहत तैयार किया गया। भावनात्मक और कलात्मक प्रस्तुति ने दर्शकों, विशेषकर विद्यार्थियों और शिक्षकों पर गहरी छाप छोड़ी। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि थिएटर केवल मनोरंजन नहीं बल्कि संवेदनशीलता, अनुशासन, टीमवर्क और आत्म-अभिव्यक्ति को विकसित करने वाला सशक्त शैक्षिक माध्यम भी है। कार्यक्रम का संचालन गौरी ठाकुर ने किया जबकि आराध्या ठाकुर, रिशान मरहट्टा, रुहान चंदन, द्विजेश दत्ता, कविश शर्मा, अद्विक शर्मा, सचेतस आनंद, सुप्रिया गोरका, समाएरा रैना, अनमोल शर्मा, माहिरा गुप्ता, आध्विका गुप्ता, प्रियल अशोक गुप्ता, मेहक चिब, अराइया शान, आनंदिता दत्त और आरोही सिंह ने शानदार अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के प्रबंधन में मोहम्मद यासीन, पवन वर्मा, कननप्रीत कौर, मुस्कान ठाकुर, ईशा शर्मा, राधिका खजूरिया, कुशल भट्ट, आदेश धर, महिक्षित सिंह और आकाश वाधवान ने योगदान दिया। अंत में नटरंग के चिल्ड्रन विंग प्रमुख सुमीत शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

जरूरतमंद परिवारों के लिए राहत शिविर आयोजित, 70 परिवारों को राशन किट वितरित

जम्मू, 16 मई (हि.स.)। करुणा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के तहत वृद्ध आश्रम, अम्फल्ला, जम्मू द्वारा ग्रामीण पंचायत क्षेत्रों में आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए राहत वितरण शिविर आयोजित किया गया। शिविर के दौरान 70 जरूरतमंद परिवारों को विशेष राशन किट वितरित की गई, जिसमें 10 किलो आटा, 5 किलो चावल, 3 किलो दाल, 2 किलो चीनी तथा 2 किलो नमक शामिल था। यह राहत सामग्री अपर घरोटा-बी, लोअर रंजन, अपर रंजन, लोअर जंडियाल, अपर जंडियाल एवं डूमी पंचायतों के पात्र लाभार्थियों को प्रदान की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाना नहीं, बल्कि जरूरतमंद परिवारों तक सम्मान, सहारा और भावनात्मक सहयोग पहुंचाना भी था।

जरूरतमंद लाभार्थियों की पहचान एवं पूरे कार्यक्रम के समन्वय का कार्य कुलदीप सिंह लंगेह द्वारा किया गया, जिसकी वृद्ध आश्रम प्रबंधन समिति ने सराहना की। कार्यक्रम में डॉ. दिनेश गुप्ता, सचिव; विजय कुमार, संयुक्त सचिव; प्रबंध समिति सदस्य सरदार राजिंदर सिंह, सतपाल शर्मा, विजय धवन तथा सामाजिक कार्यकर्ता राघव गुप्ता भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर डॉ. दिनेश गुप्ता ने समाज से अपील करते हुए कहा कि ऐसे बुजुर्ग, जिनकी आयु 60 वर्ष से अधिक हो, जो शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ हों लेकिन उनके पास रहने या देखभाल का कोई सहारा न हो, उन्हें वृद्ध आश्रम अम्फल्ला में आश्रय एवं देखभाल के लिए भेजा जा सकता है। उन्होंने बताया कि आश्रम की टीम लगातार विभिन्न क्षेत्रों में जाकर बेसहारा बुजुर्गों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

भुक्की के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार, ट्रक जब्त

कठुआ, 16 मई (हि.स.)। नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने लखनपुर क्षेत्र में लगभग 1.180 किलोग्राम पोस्ता भूसा (भुक्की) जैसे नशीले पदार्थ के साथ दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक ट्रक को मौके पर ही जब्त कर लिया गया।

पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए ट्रक नंबर जेके08ई-4975 को रोका गया, जिसमें तलाशी के दौरान नशीला पदार्थ बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सज्जाद अहमद निवासी उधमपुर और फारूक अहमद निवासी चक सज्जन, कठुआ के रूप में हुई है। इस संबंध में थाना लखनपुर में एफआईआर नंबर 50/2026 धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा ने कहा कि नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

बोबिया और गजनाल में आयुक्त सचिव आर. एलिस वाज ने जमीनी हालात का लिया जायजा

कठुआ, 16 मई (हि.स.)। प्लानिंग, मॉनिटरिंग एंड डेवलपमेंट विभाग की आयुक्त सचिव आर. एलिस वाज ने वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2 के तहत बॉबिया और गजनाल गांवों का दौरा कर विकास कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों और अधिकारियों के साथ संवाद कर क्षेत्र की जमीनी जरूरतों और समस्याओं का आकलन किया। आयुक्त सचिव ने कहा कि उनके दौरे का मुख्य उद्देश्य सीमांत गांवों में लोगों की वास्तविक समस्याओं को समझना, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को मजबूत करना और यह सुनिश्चित करना है कि विकास का लाभ हर घर तक पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए ताकि पात्र लोगों को समय पर लाभ मिल सके। साथ ही उन्होंने ग्रामीणों से भी खुलकर अपनी समस्याएं और सुझाव साझा करने का आह्वान किया।

आर. एलिस वाज ने बताया कि वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-2 का लक्ष्य सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, कनेक्टिविटी बढ़ाना, रोजगार के अवसर पैदा करना और लोगों के जीवन स्तर में समग्र सुधार लाना है।

जम्मू-कश्मीर न्यायिक अकादमी ने न्यायिक अधिकारियों के लिए सिविल प्रक्रिया संहिता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया

श्रीनगर, 16 मई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और जम्मू-कश्मीर न्यायिक अकादमी के संरक्षक न्यायमूर्ति अरुण पल्ली के संरक्षण में अकादमी के अध्यक्ष और शासी समिति के सदस्यों के मार्गदर्शन में कश्मीर प्रांत के न्यायिक अधिकारियों के लिए सिविल प्रक्रिया संहिता पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आज श्रीनगर के मोमिनाबाद स्थित जम्मू-कश्मीर न्यायिक अकादमी में आयोजित किया गया।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के न्यायाधीश और जम्मू-कश्मीर न्यायिक अकादमी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति रजनेश ओसवाल ने अपने मुख्य भाषण में कहा कि सिविल प्रक्रिया संहिता, यद्यपि प्रक्रियात्मक प्रकृति की है, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों पर आधारित है और मूल कानून के कार्यान्वयन के लिए एक प्रभावी साधन के रूप में कार्य करती है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दीवानी न्यायनिर्णय एक प्रगतिशील सभ्य समाज की आधारशिला है और न्यायिक अधिकारियों से आग्रह किया कि वे दीवानी मुकदमों को प्रक्रियात्मक अनुशासन, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ निपटाएं। उन्होंने सीपीसी की धारा 89 का हवाला देते हुए विवादों के सौहार्दपूर्ण निपटारे और सुलभ एवं कुशल न्याय वितरण सुनिश्चित करने में वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र के महत्व पर प्रकाश डाला।

जम्मू-कश्मीर न्यायिक अकादमी के निदेशक नसीर अहमद डार ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि दीवानी प्रक्रिया संहिता दीवानी न्यायनिर्णय की रीढ़ है और न्याय के निष्पक्ष, कुशल और समयबद्ध प्रशासन के लिए इसका प्रभावी अनुप्रयोग आवश्यक है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य प्रक्रियात्मक प्रावधानों के व्यावहारिक अनुप्रयोग पर विचार-विमर्श करना, न्यायिक दक्षता को मजबूत करना, केस प्रबंधन में सुधार करना और दीवानी मुकदमों में देरी को कम करना है। उन्होंने आगे कहा कि सत्रों में पूर्व-परीक्षण कार्यवाही, मुद्दों का निर्धारण, दलीलें, स्वीकारोक्तियाँ और प्रभावी न्यायनिर्णय के लिए सीपीसी के तहत उपलब्ध प्रक्रियात्मक उपकरणों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

उपायुक्त रामबन ने कैपेक्स बजट 2026-27 की तैयारी की समीक्षा की

रामबन, 16 मई। उपायुक्त रामबन मोहम्मद इलियास खान ने आज ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों की व्यापक समीक्षा करने और वित्तीय वर्ष 2026-27 के विकासात्मक योजना निर्माण पर चर्चा करने के लिए बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में सतत विकास सुनिश्चित करना था।

बैठक में सहायक आयुक्त विकास शेराज अहमद, मुख्य योजना अधिकारी डॉ. शकीब अहमद राथर, जिले के सभी 11 ब्लॉकों के ब्लॉक विकास अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने चालू वित्तीय वर्ष के प्रस्तावित विकास ढांचे की समीक्षा की और ब्लॉक विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सभी हितधारकों से परामर्श कर योजनाएं तैयार करें तथा आधारभूत ढांचे और क्षेत्र विशेष की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दें।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी एसओएस कार्यों को योजनाओं में शामिल किया जाए तथा जमीनी स्तर पर समान और प्रभावी विकास सुनिश्चित करने के लिए ग्रामीण केंद्रित दृष्टिकोण अपनाया जाए।

उपायुक्त ने खेल मैदानों के विकास, जल स्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्स्थापन, शैक्षणिक ढांचे को मजबूत करने तथा स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार अन्य परियोजनाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि विकास योजनाएं व्यावहारिक, समावेशी और जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप होनी चाहिए।

कठुआ में राष्ट्रीय डेंगू दिवस जागरूकता अभियान के साथ मनाया गया

कठुआ, 16 मई। आज जिला कठुआ में राष्ट्रीय डेंगू रोकथाम दिवस मनाया गया। डेंगू की रोकथाम और नियंत्रण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय तथा जिले के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. उत्तम चंद ने सीएमओ कार्यालय में जागरूकता व्याख्यान दिया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय रैना, मलेरिया स्टाफ, अन्य अधिकारी तथा आम लोग उपस्थित थे।

डॉ. उत्तम ने एकजुट हों, कार्य करें, समाप्त करें विषय के तहत डेंगू के लक्षण, रोकथाम, नियंत्रण और उपचार के बारे में जानकारी दी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी और जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने जनजागरूकता संदेशों से सुसज्जित डेंगू जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, ताकि कर्मचारियों और आम जनता को डेंगू के प्रसार को रोकने के उपायों के बारे में जागरूक किया जा सके।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों को स्वयं दवा लेने से बचने की सलाह दी। उन्होंने चेतावनी दी कि एस्पिरिन और इबुप्रोफेन जैसी दवाएं डेंगू रोगियों में गंभीर जटिलताएं पैदा कर सकती हैं।

उन्होंने बताया कि डेंगू पॉजिटिव आने पर घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि 95 प्रतिशत मरीज बिना किसी जटिलता के ठीक हो जाते हैं। अधिकारियों ने यह भी जानकारी दी कि जीएमसी कठुआ और उप-जिला अस्पतालों में रक्त चढ़ाने के लिए प्लेटलेट लैब, डेंगू जांच प्रयोगशालाएं तथा डेंगू रोगियों के लिए अलग बिस्तरों की व्यवस्था उपलब्ध है। जिले के अन्य ब्लॉकों जैसे परोल, हीरानगर, बिलावर, बसोहली और बनी में भी संबंधित ब्लॉक चिकित्सा अधिकारियों की देखरेख में इसी प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। आरबीएसके टीमों और मलेरिया स्टाफ ने स्कूलों में भी जागरूकता अभियान चलाया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय और सभी बीएमओ मुख्यालयों के मलेरिया स्टाफ को डेंगू मामलों पर कड़ी निगरानी रखने, पॉजिटिव मामलों में तुरंत स्प्रे करने और उचित रिकॉर्ड तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

सप्ताहभर चली अंतर-विद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं का समापन, 1820 खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, विभिन्न खेलों में स्कूलों ने जीते खिताब

जम्मू, 16 मई (हि.स.)। युवा सेवा एवं खेल विभाग, ज़ोन अखनूर द्वारा आयोजित सप्ताहभर चली अंतर-विद्यालयी ज़ोनल स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं एवं ट्रायल आज इंडोर स्टेडियम अखनूर में संपन्न हो गईं। प्रतियोगिताओं का आयोजन डीवाईएसएसओ जम्मू सुखदेव राज शर्मा के मार्गदर्शन तथा ज़ेडपीईओ अखनूर अशोक कुमार की देखरेख में किया गया। प्रतियोगिताओं में अंडर-14 और अंडर-17 वर्ग के लड़के एवं लड़कियों ने वॉलीबॉल, कबड्डी, खो-खो, शतरंज, योग, टेबल टेनिस, क्रिकेट, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, फुटबॉल और कुश्ती जैसी खेल विधाओं में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में ज़ोन अखनूर के सरकारी एवं निजी स्कूलों के लगभग 1820 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन समारोह के दौरान ज़ेडपीईओ अखनूर अशोक कुमार ने आयोजन समिति एवं तकनीकी समिति को सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

अंडर-14 लड़कों की कबड्डी में जीएमएस दस्काल ने जीएचएस सुनैल को हराया, जबकि खो-खो में जीएचएस सुनैल विजेता रहा। वॉलीबॉल में जीएचएस कोट गढ़ी ने बाजी मारी। अंडर-17 वर्ग में कबड्डी का खिताब जीएचएसएस नरारी बाला ने जीता, जबकि वॉलीबॉल में एपीएस अखनूर विजेता रहा। लड़कियों के मुकाबलों में अंडर-14 कबड्डी में जीएचएस मेरा मंद्रियां और खो-खो में जीएचएस सुनैल विजेता रहे। अंडर-17 कबड्डी में जीजीएचएसएस अखनूर तथा खो-खो में चंदर भागा एचएसएस ने जीत दर्ज की। वॉलीबॉल में एपीएस अखनूर ने दोनों वर्गों में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किए। प्रतियोगिताओं में मैचों का संचालन जतिंदर सिंह, आशनक राज शर्मा, राहुल देव, शंभू दत्त, खादिम हुसैन, राजेश कुमार, गुरमुख सिंह, विजय कुमार, सुरम सिंह, सुषमा देवी और रिंकू कुमार ने किया।

नशा मुक्ति जागरूकता पद यात्रा आयोजित

जम्मू, 16 मई (हि.स.)। उपराज्यपाल जम्मू-कश्मीर के मार्गदर्शन में चल रहे नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत 100 दिवसीय जन-जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट तथा महाराजा हरि सिंह कृषि कॉलेजिएट विद्यालय, नगवानी के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल जागरूकता पद यात्रा आयोजित की गई। रैली का आयोजन विद्यालय परिसर से किया गया जिसका उद्देश्य युवाओं और समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना था।

रैली में विद्यार्थियों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों और गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नशा छोड़ो-जीवन जोड़ो और युवा बचाओ-भविष्य बचाओ जैसे नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। विद्यार्थियों ने हाथों में जागरूकता तख्तियां लेकर समाज को नशे के खिलाफ एकजुट होने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर पुलिस के पूर्व डीजीपी एस. पी. वैद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने युवाओं को सही दिशा, संस्कार और सकारात्मक वातावरण देने पर जोर दिया तथा इस प्रकार के अभियानों की सराहना की। विशिष्ट अतिथि डॉ. वी. एस. सेंथिल कुमार, आईएफएस, चीफ कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट्स, जम्मू ने कहा कि अनुशासित जीवनशैली और स्वस्थ सोच ही युवा शक्ति की पहचान है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की अपील की।

वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप दत्ता ने कहा कि मीडिया समाज को जागरूक करने का प्रभावी माध्यम है और ऐसे अभियानों को जन-जन तक पहुंचाना समय की जरूरत है। वहीं कार्यक्रम के आयोजक एवं श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के प्रमुख महंत रोहित शास्त्री ने कहा कि नशा आज समाज के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है और युवाओं को जागरूक करना बेहद जरूरी है।

विद्यालय की प्राचार्या सोनिया आनंद ने विद्यार्थियों को अनुशासन, नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर एसडीएम नॉर्थ दीपक कुमार, एसपी रूरल रविंदर सिंह, डीएसपी दोमाना ताहिर, पूर्व सरपंच वंदना कुमारी, राजदेव सिंह सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

GOVERNMENT OF JAMMU & KASHMIR
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
MECHANICAL & HOSPITAL DIVISION
KATHUA

सत्यमेव जयते

Extension Corrigendum 1

Name of Work:Providing installation testing and commissioning of Oxygen flow meters ward suction units along with oxygen and vacuum outlet points in different wards of Associated Hospital GMC Kathua.
Tender ID: 2026_PWDJK_309361_1
Reference: e-NIT No MHDK/TECH/e-NIT/ 2026-27/06 dated 05/05/2026
Due to poor response e-NIT No MHDK/TECH/e-NIT/ 2026-27/06 dated 05/05/2026 issuedfor the work "Providing installation testing and commissioning of Oxygen flow meters ward suction units along with oxygen and vacuum outlet points in different wards of Associated Hospital GMC Kathua" is hereby extended up to 20-05-2026 till 2.00 pm and shall be opened on 21-05-2026 at 2:00 pm. The revised critical dates can be seen/ downloaded from the J&K Govt. website www.jktenders.gov.in.

Rest all other terms and conditions of e-NIT shall remain the same.
No: - MHDK/Tech/589
Dated: 15-05-2026

Sd/-
Executive Engineer
Mechanical & Hospital Division
Kathua.

DIP/J-2122/26
Dtd:16-5-2026

संपादकीय

तीर्थयात्री, मुनाफा और समृद्धि

इस वर्ष वार्षिक अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई 2026 से शुरू होने जा रही है, जबकि श्रद्धालुओं के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 15 अप्रैल से ही आरंभ हो चुकी है। लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करने वाली यह पवित्र यात्रा 57 दिनों तक चलेगी और 28 अगस्त को रक्षाबंधन के पर्व के साथ संपन्न होगी।

जम्मू-कश्मीर में शांति बहाली के बाद अब समय आ गया है कि इस यात्रा को केवल श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था तक सीमित दृष्टि से न देखा जाए। निश्चित रूप से सुरक्षा प्रबंध, यातायात नियंत्रण और मौसम संबंधी तैयारियां अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, लेकिन अब इस यात्रा को एक नई सोच और व्यापक आर्थिक दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है।

लाखों लोगों का यह संगम केंद्र शासित प्रदेश के लिए सबसे बड़ा मौसमी आर्थिक अवसर भी है, जिसे परंपरागत रूप से केवल उन लोगों की आजीविका तक सीमित माना गया जो यात्रियों को गुफा तक पहुंचाने या वापस लाने में सहयोग करते हैं, अथवा इसे कश्मीर पर्यटन को बढ़ावा देने वाले आयोजन के रूप में देखा जाता रहा है। कुछ हद तक यह सही भी था, लेकिन श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि और उनके साथ आने वाली विशाल क्रय शक्ति ने नीति निर्माताओं के लिए यह आवश्यक बना दिया है कि वे इस अवसर को जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए आर्थिक समृद्धि में बदलें।

यात्री लखनपुर से लेकर जम्मू, उधमपुर, श्रीनगर, पहलगाम, बालटाल, सोनमर्ग और दर्जनों छोटे कस्बों एवं गांवों से होकर गुजरते हैं। इस दौरान उन्हें भोजन, वस्त्र, वर्षा से बचाव के साधन, स्मृति-चिन्ह, आवास, परिवहन, दवाइयां और उपहारों की आवश्यकता होती है।

यह जम्मू-कश्मीर के लिए एक बड़ा उद्यमशील अवसर बन सकता है, यदि श्रद्धालुओं की भारी संख्या को स्थानीय कारीगरों, उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों और छोटे व्यापारियों के लिए एक सशक्त आर्थिक इंजन में बदला जाए।

दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि पेपर माशे से बने कुछ स्मृति-चिन्हों या निम्न गुणवत्ता वाले क्रिकेट बैट्स को छोड़कर जम्मू-कश्मीर के पास यात्रियों को देने के लिए बहुत कम है, जबकि यह प्रदेश अपने हस्तशिल्प और प्रतिष्ठित उत्पादों के लिए विश्व प्रसिद्ध है।

दुखद रूप से यात्रा अर्थव्यवस्था अभी तक केवल ठहरने और भोजन जैसी सेवाओं तक सीमित रही है, जबकि इसकी संभावनाएं असीमित हैं और जम्मू-कश्मीर के पास इससे कहीं अधिक देने के लिए मौजूद है।

स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग और कश्मीरी तथा डोगरा शिल्पकला को बढ़ावा देकर इसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए। चूंकि यात्रा मानसून के दौरान होती है, इसलिए सरकार को एक अभिनव कदम उठाते हुए कश्मीरी कारीगरों को क्षेत्रीय कढ़ाई से सजे विशेष छाते तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

ऐसे छाते तुरंत लोकप्रिय हो सकते हैं, क्योंकि लगभग हर यात्री उन्हें बारिश से बचाव के लिए उपयोग करेगा और बाद में सजावटी वस्तु के रूप में भी संभालकर रखेगा। इन्हें यात्रा मार्ग के सभी प्रमुख स्थलों पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए।

क्या यह शानदार विचार नहीं है कि एक साधारण उपयोगी वस्तु भी सांस्कृतिक दूत बन सकती है?

यदि स्थानीय उत्पादों का सही तरीके से निर्माण और विपणन किया जाए, तो यह यात्रा स्थानीय वस्तुओं के लिए एक शक्तिशाली बाजार बन सकती है। अमरनाथ यात्रा को जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए एक रणनीतिक व्यापारिक मौसम के रूप में देखा जाना चाहिए, जो बेरोजगारी की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने में सहायक हो सकता है।

आईटी नियम दूसरा संशोधन, 2026- भारत के डिजिटल शासन की ओर एक बड़ा कदम

दूसरा, प्रस्तावित नियम 3(4) को जोड़ना है, जो मंत्रालय द्वारा जारी परामर्श, स्पष्टीकरण और मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को आईटी अधिनियम की धारा 79 के तहत दायित्वपूर्ण कर्तव्यों के रूप में बाध्यकारी बनाता है। नियमों की धारा 79से मध्यस्थों को तीसरे पक्ष के कंटेंट की जिम्मेदारी के लिए एक सशर्त सुरक्षित ठिकाना मिल गया था, बशर्ते कि वे उचित प्रक्रिया का पालन करें और गैरकानूनी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग न लें।

– श्री वैभव गग्गर, सुश्री काम्या वहल

भारत का डिजिटल इकोसिस्टम तेजी से विकसित हुआ है। ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म अब लोगों के संवाद करने और जानकारी तक पहुँचते के तरीकों में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। इसने जवाबदेही और ऑनलाइन नुकसान को लेकर नई चुनौतियाँ भी पेश की हैं और मौजूदा नियामक व्यवस्था को तदनुसार विकसित होने की आवश्यकता है। इस संदर्भ में, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 में किए जाने वाले प्रस्तावित बदलाव, जो 30 मार्च, 2026 को प्रकाशित किए गए हैं, भारत की डिजिटल नियामक व्यवस्था में प्रक्रिया से जुड़ी कमियों को दूर करने के लिए एक बड़े कदम को प्रतिबिंबित करते हैं। इन मसौदा संशोधनों का उद्देश्य भाग II के तहत मंत्रालय द्वारा जारी स्पष्टीकरण, परामर्श और दिशा-निर्देशों के अनुरूप मध्यस्थों के अनुपालन को मजबूत करना और भाग III के तहत डिजिटल मीडिया से संबंधित कंटेंट नियमन व्यवस्था की नियामक निगरानी के प्रभाव को बढ़ाना है।

सबसे पहले, नियम 3(1)(जी) और 3(1)(एच) के तहत डेटा रखरखाव की जिम्मेदारियों के संबंध में स्पष्टीकरण है। प्रस्तावित संशोधन स्पष्ट करता है कि रखरखाव आवश्यकताओं से जुड़े नियम; अन्य लागू कानूनों के तहत निर्धारित जिम्मेदारियों के अतिरिक्त हैं। इससे वह अस्पष्टता दूर होती है जिसने कभी-कभी मध्यस्थों को अलग-अलग या न्यूनतम अनुपालन दृष्टिकोण अपनाने की अनुमति दी है। आईटी अधिनियम डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म को अकेले काम करने की अनुमति नहीं देता। उन्हें आपराधिक प्रक्रिया कानून, वित्तीय नियम और केवल उनके उद्योग पर लागू होने वाले नियमों का भी पालन करना होता है। इस अर्थ में, यह स्पष्टीकरण अर्थपूर्ण और आवश्यक है। सबसे महत्वपूर्ण यह कि संशोधन रखरखाव से संबंधित है, पहुँच से नहीं। ऐसे डेटा का खुलासा कानूनी प्रक्रियाओं और सांविधिक सुरक्षा के अधीन रहता है। हालांकि इस प्रकार की एक सामान्य संरक्षण धारा को इस रूप में पढ़ा जा सकता है कि यह उकसाने वाला, अतिव्यापी या यहाँ तक कि मध्यस्थों द्वारा उपयोगकर्ता डेटा के अनिश्चितकालीन रखरखाव के बारे में है, क्योंकि विभिन्न कानूनी दस्तावेज़ आवश्यकता, उद्देश्य की सीमा या आनुपातिकता का संदर्भ दिए बिना ही ऐसी शर्तें लागू करते हैं। ऐसी चिंताओं को दूर करने के लिए एक स्पष्टीकरण जारी किया जा सकता है, यदि भविष्य में ऐसी चिंता सामने आती है।

दूसरा, प्रस्तावित नियम 3(4) को जोड़ना है, जो मंत्रालय द्वारा जारी परामर्श, स्पष्टीकरण और मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को आईटी अधिनियम की धारा 79 के तहत दायित्वपूर्ण कर्तव्यों के रूप में बाध्यकारी बनाता है। नियमों की धारा 79से मध्यस्थों को तीसरे पक्ष के कंटेंट की जिम्मेदारी के लिए एक सशर्त सुरक्षित ठिकाना मिल गया था, बशर्ते कि वे उचित प्रक्रिया का पालन करें और गैरकानूनी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग न लें। बड़े पैमाने पर उपयोगकर्ता-कंटेंट पर नज़र रखने से बचाने के लिए यह मध्यस्थों के लिए एक ढाल के रूप में काम करता था। सर्वोच्च न्यायालय ने श्रेया सिंघल बनाम भारत संघ मामले में कहा कि सुरक्षित ठिकाना परंपरागत रूप से मध्यस्थों को तीसरे पक्ष के कंटेंट के लिए जिम्मेदार ठहराए जाने से बचाता रहा है, जब तक कि वे अवैध गतिविधि के वास्तविक ज्ञान पर कार्रवाई करते हैं। इस सिद्धांत ने प्लेटफार्मों को जानकारी के प्रवाह में तटस्थ बनाए रखने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

लेकिन तब से डिजिटल इकोसिस्टम बहुत बदल गया है। प्लेटफार्म अब केवल निष्क्रिय मध्यस्थ नहीं हैं। उनके आकार और एल्गोरिदम उपयोग करने की उनकी क्षमता ने ऑनलाइन नुकसान और लोगों को प्रभावित करने के तरीकों को बदल दिया है। इस स्थिति में, केवल न्यायालय के आदेश या औपचारिक नोटिस पर प्रतिक्रिया देने वाला मॉडल धीरे-धीरे अप्रभावी हो जाता है। नियम 3(4) शासन को अधिक लचीला बनाकर इस कमी को दूर करता है। यह कंटेंट हटाने के लिए कानूनी आदेशों की आवश्यकता को खत्म नहीं करता; इसके बजाय, यह कार्यकारी उपकरणों के माध्यम से, समग्र रूप से प्लेटफ़ॉर्मों के कार्य करने के तरीके को निर्देशित करने का प्रयास करता है।संभावित अतिशयोक्ति के बारे में वैध चिंताएं हैं, लेकिन तथ्य यह है कि सुरक्षित ठिकाना शर्तों पर आधारित है, इसका हमेशा मतलब रहा है कि उचित कार्रवाई मानक बदल सकते हैं। चीजों को और अधिक वैध बनाने के लिए, यह समझदारी होगी कि इस प्रकार की सलाहें और एसओपी पारदर्शिता के उपायों के साथ जारी किये जाएँ, जैसे प्रकाशन, अच्छी तरह से सोचा गया कारण, और यदि संभव हो तो, हितधारकों से परामर्श।

तीसरे, संशोधन प्रस्तावित करता है कि नियम 8.1 की उपधारा को इस तरह बदल दिया जाए कि भाग III के नियम 14, 15 और 16 न केवल प्रकाशकों पर लागू हों बल्कि मध्यस्थों पर और उपयोगकर्ताओं द्वारा मध्यस्थों के कंप्यूटर संसाधनों पर प्रकाशित समाचार और समसामयिक घटनाक्रम कंटेंट पर भी लागू हों, जो प्रकाशक नहीं हैं। उपयोगकर्ता और प्रकाशक के बीच का अंतर स्पष्ट नहीं है। यह डिजिटल मीडिया निरीक्षण फ्रेमवर्क के दायरे में एक महत्वपूर्ण विस्तार है, जो पहले मुख्य रूप से समाचार और संकलित कंटेंट के संगठित प्रकाशकों के प्रति केंद्रित था। संशोधन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कहीं से भी आने वाले कंटेंट के मामले में गंभीर नियम उल्लंघनों को निपटाया जा सके तथा इसके लिए ऐसे कंटेंट को नियम 14 से 16 में शामिल किया गया है। यह पारंपरिक प्रकाशकों और कार्यात्मक रूप से समान गतिविधियों में लगे डिजिटल-स्थानीय कर्मियों के बीच समानता को और बढ़ावा देता है।

इस प्रकार, संशोधन नियामक समानता को बढ़ावा देता है और वर्तमान फ्रेमवर्क में संरचनात्मक कमी को खत्म करता है। इसके साथ ही एक विचारशील फीडबैक बिंदु यह है कि भाग III का उपयोग उपयोगकर्ता-जनित कंटेंट पर गंभीर और प्रणालीगत नुकसान तक ही सीमित रहना चाहिए। बहुत ज्यादा सख्ती से लागू होने से बचने के लिए, जिससे वैध राजनीतिक भाषण या लोगों की खोजी पत्रकारिता पर रोक लग सकती है, मंत्रालय यह विचार कर सकता है कि नियम 14 से 16 के तहत मध्यस्थों को लक्षित हस्तक्षेप; स्पष्ट मानदंडों, जैसे पहुँच, प्रभाव और जोखिम के आधार पर किए जाएंगे तथा न्यूनतम प्रतिबंधात्मक उपायों का उपयोग किया जाएगा। यह मध्यस्थ द्वारा समर्थन (होस्ट) दिए गये कंटेंट के निरीक्षण को बेहतर बनाने के घोषित उद्देश्य के साथ-साथ एक खुली और बहुल डिजिटल सार्वजनिक क्षेत्र को बनाए रखने के उद्देश्य के अनुरूप होगा।

अंत में, नियम 14 में प्रस्तावित बदलाव, जिसमें शिकायतों को बदलकर मामले किया गया है, एक प्रतिक्रियाशील से अधिक सक्रिय नियामक दृष्टिकोण की ओर परिवर्तन को दर्शाता है। अंतर-विभागीय समिति (आईडीसी) अब केवल व्यक्तिगत शिकायतों के समाधान तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि सरकार द्वारा संदर्भ दिए जाने पर व्यापक, प्रणालीगत मुद्दों पर भी विचार कर सकती है। एक ऐसे परिवेश में जहाँ व्यवस्थित तौर पर गलत सूचना फैलाने वाले अभियान जैसे नुकसान अक्सर व्यक्तिगत शिकायतों से आगे चली जाती हैं, यह लचीलापन समयानुकूल और आवश्यक दोनों है। साथ ही, आईडीसीके अधिकार क्षेत्र के विस्तार से प्रक्रियात्मक सुरक्षा की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया है। विचार किए गए मामलों की प्रकृति का समय-समय पर खुलासा, साथ ही प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन, संस्थागत विश्वसनीयता को मजबूत करेगा और मनमानी हस्तक्षेप की धारणा में कमी लायेगा।

संपूर्ण रूप से देखें तो, मसौदा संशोधन भारत के मध्यस्थता दायित्व व्यवस्था को आधुनिक बनाने का एक व्यावहारिक प्रयास पेश करते हैं। वे इस बात को स्वीकार करते हैं कि स्थिर कानूनी सिद्धांत पूर्ण रूप से गतिशील तकनीकी वास्तविकताओं का समाधान नहीं कर सकते। हालांकि, चुनौती कार्यान्वयन में निहित है। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि विस्तारित नियामक शक्तियों का उपयोग पारदर्शी, अनुपातिक और इंटरनेट के खुले स्वरूप को बनाए रखने वाले तरीके से किया जाए। यदि सावधानीपूर्वक उपयोग किया जाए, तो ये सुधार एक व्यावहारिक संतुलन स्थापित कर सकते हैं और नवाचार या स्वतंत्र अभिव्यक्ति को कमजोर किए बिना उत्तरदायित्व को मजबूत कर सकते हैं।

(लेखक श्री वैभव गग्गरवरिष्ठ अधिवक्ता और सुश्री काम्या वहल अधिवक्ता हैं)

भारतीय ऋषियों की वैज्ञानिक दृष्टि का प्रमाण है अधिक मास

– आचार्य ललित मुनि

भारतीय संस्कृति में समय केवल घड़ी की सुइयों या कैलेंडर की तिथियों का क्रम नहीं है। यहां समय को प्रकृति, ऋतु, ग्रहों की गति और मानव जीवन की लय के साथ जोड़कर देखा गया है। सूर्य की ऊर्जा खेतों में अन्न पकाती है, चंद्रमा रातों को शीतलता प्रदान करता है और इन दोनों की गति से ही ऋतुएं, पर्व और मानव जीवन का क्रम निर्धारित होता है। भारतीय ऋषियों ने हजारों वर्ष पहले यह समझ लिया था कि यदि समय की गणना केवल सूर्य या केवल चंद्रमा के आधार पर की जाएगी तो धीरे-धीरे ऋतुओं और त्योहारों का संतुलन बिगड़ जाएगा। इसी असंतुलन को दूर करने के लिए भारतीय कालगणना में अधिक मास (पुरुषोत्तम मास) की व्यवस्था की गई। यह केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि अत्यंत सूक्ष्म खगोलीय गणनाओं पर आधारित वैज्ञानिक व्यवस्था है।

भारतीय पंचांग मूलतः लूनिसोलर अर्थात चंद्र और सूर्य दोनों की गति पर आधारित है। चंद्रमा के आधार पर एक चांद्र मास लगभग 29.53 (29 दिन, 12 घंटे, 44 मिनट और 3 सेकंड) दिनों का होता है। इस प्रकार बारह चांद्र मास मिलाकर एक चांद्र वर्ष लगभग 354 दिनों का बनता है। दूसरी ओर पृथ्वी को सूर्य की एक परिक्रमा पूरी करने में लगभग 365.24 दिन लगते हैं, जिसे सौर वर्ष कहा जाता है। इस प्रकार दोनों वर्षों के बीच लगभग 11 दिनों का अंतर उत्पन्न हो जाता है। यह अंतर हर वर्ष बढ़ता रहता है और लगभग तीन वर्षों में यह लगभग 32 दिनों तक पहुंच जाता है, जो लगभग एक पूर्ण चांद्र मास के बराबर होता है। इसी अंतर को संतुलित करने के लिए भारतीय कालगणना में एक अतिरिक्त मास जोड़ा जाता है, जिसे अधिक मास कहा जाता है।

इस माह में बैशाख एवं जेठ का संधिकाल है, पंचांग में इसे पुरुषोत्तम मास के रुप में माना जाता है। यदि पंचाग में यह अतिरिक्त मास न जोड़ा जाए तो धीरे-धीरे ऋतुओं और त्योहारों का संतुलन बिगड़ जाएगा। हो सकता है कि कुछ वर्षों बाद दीपावली गर्मियों में आने लगे और होली शीत ऋतु के स्थान पर वर्षा ऋतु में पड़ने लगे। इससे केवल धार्मिक पर्वों का क्रम ही नहीं बिगड़ेगा, बल्कि कृषि चक्र और सामाजिक जीवन भी प्रभावित होगा। भारतीय ऋषियों ने इस समस्या को बहुत पहले समझ लिया था और उन्होंने प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाए रखने के लिए अधिक मास की व्यवस्था विकसित की।

अधिक मास की गणना भी अत्यंत वैज्ञानिक है। सामान्यतः प्रत्येक चांद्र मास में सूर्य एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करता है, जिसे संक्रांति कहा जाता है। लेकिन जब किसी चांद्र मास के दौरान सूर्य किसी नई राशि में प्रवेश नहीं करता, तब वह मास अधिक मास कहलाता है। सरल शब्दों में कहें तो जिस मास में कोई संक्रांति नहीं होती, वह अतिरिक्त मास माना जाता है। यह प्रक्रिया लगभग हर 32 महीने 16 दिन बाद घटित होती है।

प्राचीन भारतीय ग्रंथों में इसका विस्तृत वर्णन मिलता है। सूर्य सिद्धांत, वेदांग ज्योतिष और ब्रह्म सिद्धांत जैसे ग्रंथ बताते हैं कि भारतीय ज्योतिष और खगोल विज्ञान केवल धार्मिक विश्वासों पर आधारित नहीं थे, बल्कि ग्रहों और नक्षत्रों की सूक्ष्म गति के गहन अध्ययन पर आधारित थे। भारतीय गणितज्ञों और खगोलविदों ने बिना आधुनिक उपकरणों के सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी की गतियों का अत्यंत सटीक अध्ययन किया था। आर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त और भास्कराचार्य जैसे विद्वानों ने इन गणनाओं को और अधिक परिष्कृत किया।

विश्व की अन्य सभ्यताओं में भी समय संतुलन के लिए अतिरिक्त मास की व्यवस्था रही है। बेबीलोनियन और यहूदी कैलेंडर में भी इंटरकैलरी मास जोड़ा जाता है। किन्तु भारतीय प्रणाली की विशेषता यह है कि यहां केवल दिनों की गणना नहीं की गई, बल्कि ऋतु, तिथि, नक्षत्र, योग और प्रकृति के अनेक आयामों को एक साथ जोड़कर समय का निर्धारण किया गया। अधिक मास का धार्मिक और आध्यात्मिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रारंभ में इसे मलमास कहा जाता था और शुभ कार्यों के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता था। पौराणिक कथाओं के अनुसार जब अन्य मासों ने इसका तिरस्कार किया, तब भगवान विष्णु ने इसे अपना नाम देकर पुरुषोत्तम मास बना दिया। इसके बाद यह मास विशेष रूप से भगवान विष्णु की उपासना, जप, तप, दान और आत्मचिंतन के लिए महत्वपूर्ण माना जाने लगा। इस कथा का मानवीय संदेश भी अत्यंत गहरा है। जीवन में कई बार ऐसे क्षण आते हैं जिन्हें लोग महत्वहीन या व्यर्थ मान लेते हैं, लेकिन वही समय आत्ममंथन और आत्मविकास का अवसर बन सकता है। पुरुषोत्तम मास हमें यह सिखाता है कि जीवन की भागदौड़ से कुछ समय निकालकर स्वयं को समझना भी आवश्यक है। आधुनिक समय में जब तनाव, प्रतिस्पर्धा और मानसिक अशांति बढ़ रही है, तब यह परंपरा मनुष्य को ठहरकर आत्मिक संतुलन खोजने की प्रेरणा देती है। वैज्ञानिक दृष्टि से भी भारतीय कालगणना अत्यंत परिष्कृत है। आधुनिक खगोल विज्ञान यह स्वीकार करता है कि चांद्र और सौर वर्षों के बीच अंतर स्वाभाविक है और उसे संतुलित करने के लिए अतिरिक्त समय जोड़ना आवश्यक होता है। आज पूरी दुनिया में प्रयुक्त ग्रेगोरियन कैलेंडर में भी लीप वर्ष की व्यवस्था इसी सिद्धांत पर आधारित है। भारतीय पंचांग में अधिक मास उसी वैज्ञानिक सोच का अधिक विकसित और प्रकृति-सम्मत रूप है।

वर्ष 2026 में अधिक मास ज्येष्ठ मास के दौरान पड़ रहा है। इस अवधि में देशभर में विशेष पूजा-पाठ, भागवत कथा, दान और धार्मिक अनुष्ठान किए जाएंगे। लेकिन इसका वास्तविक महत्व केवल धार्मिक कर्मकांड तक सीमित नहीं है। यह भारतीय ज्ञान परंपरा की वैज्ञानिक दृष्टि, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और समय की सूक्ष्म समझ का जीवंत उदाहरण है।

हमारे शहरों के असली हीरो- सफाई कर्मचारी

डॉ. सत्यवान सौरभ

किसी भी शहर की पहचान उसकी ऊंची इमारतों, चौड़ी सड़कों या चमकती रोशनियों से नहीं, बल्कि उसकी स्वच्छता और व्यवस्था से होती है। जब कोई व्यक्ति किसी शहर में प्रवेश करता है तो सबसे पहले उसकी नजर वहां की साफ-सफाई, वातावरण और नागरिक अनुशासन पर जाती है। स्वच्छ शहर केवल सुंदर नहीं दिखते, बल्कि वे बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षित जीवन और सभ्य समाज का प्रतीक भी होते हैं लेकिन इस स्वच्छता के पीछे जिन लोगों का सबसे बड़ा योगदान होता है, वे अक्सर समाज की चर्चा और सम्मान से दूर रह जाते हैं। ये लोग हैं हमारे सफाई कर्मचारी- वे अनदेखे, अनसुने और उपेक्षित नायक, जिनके श्रम पर पूरे शहर की व्यवस्था टिकी होती है।

हाल ही में विभिन्न नगरों में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल ने लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि यदि ये कर्मचारी अपना काम बंद कर दें तो शहरों का जीवन कितनी जल्दी अस्त-व्यस्त हो सकता है। कुछ ही दिनों में सड़कों पर कचरे के ढेर लग गए, नालियां जाम हो गईं, बदबू फैलने लगी और बीमारियों का खतरा बढ़ गया। लोगों को पहली बार महसूस हुआ कि जिन सफाई कर्मचारियों को वे सामान्य कर्मचारी समझते हैं, वास्तव में वही शहर की धड़कन हैं।

विडंबना यह है कि हम आधुनिकता और विकास के बड़े-बड़े दावे तो करते हैं, लेकिन नागरिक जिम्मेदारियों के मामले में अभी भी बहुत पीछे हैं। हमारे शहरों में बड़ी संख्या में लोग सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकना, प्लास्टिक सड़क पर छोड़ देना और गंदगी फैलाना सामान्य बात समझते हैं। घर के भीतर सफाई रखने वाले लोग भी घर का कचरा बाहर सड़क पर डालकर अपनी जिम्मेदारी समाप्त मान लेते हैं। यही कारण है कि सफाई कर्मचारियों की अनुपस्थिति में शहर कुछ ही दिनों में कूड़े के ढेर में बदलने लगते हैं।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी कमजोर सिविक सेंस का प्रमाण भी है। विकसित देशों में नागरिक स्वयं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहते हैं। वहां लोग सड़क पर कचरा फेंकना सामाजिक अपराध मानते हैं लेकिन हमारे यहां स्वच्छता को अब भी केवल सफाई कर्मचारियों और नगर निगम की जिम्मेदारी समझा जाता है। जब तक समाज स्वयं स्वच्छता को अपनी संस्कृति और आदत का हिस्सा नहीं बनाएगा, तब तक किसी भी सरकारी अभियान की सफलता अधूरी रहेगी।

सफाई कर्मचारियों का जीवन संघर्षों से भरा होता है। वे सुबह-सुबह तब काम शुरू कर देते हैं जब अधिकांश लोग नींद में होते हैं। तेज गर्मी, कड़ाके की सर्दी, बरसात या महामारी- हर परिस्थिति में वे सड़कों, गलियों और नालियों की सफाई करते हैं। कई बार उन्हें बिना पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों के बेहद अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। सीवर की सफाई करते समय जहरीली गैसों के कारण हर वर्ष कई कर्मचारियों की मृत्यु हो जाती है। इसके बावजूद समाज उन्हें वह सम्मान नहीं देता जिसके वे वास्तव में अधिकारी हैं।

कोविड-19 महामारी के दौरान जब पूरा देश घरों में बंद था, तब डॉक्टरों, पुलिसकर्मियों और सफाई कर्मचारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर समाज को सुरक्षित रखने का कार्य किया। उस समय लोगों ने ताली और थाली बजाकर उनका सम्मान तो किया, लेकिन समय बीतने के साथ हम फिर उन्हें भूल गए। आज भी अनेक सफाई कर्मचारी अस्थायी नौकरी, कम वेतन और असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में काम करने को मजबूर हैं।

समाज का एक बड़ा वर्ग अब भी सफाई कार्य को हीन दृष्टि से देखता है। यह मानसिकता केवल गलत ही नहीं, बल्कि अमानवीय भी है। कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता। यदि सफाई कर्मचारी एक दिन काम बंद कर दें तो पूरे शहर की व्यवस्था ठप पड़ सकती है इसलिए उनका कार्य केवल नौकरी नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन की रक्षा का कार्य है।

इस पूरी स्थिति का सबसे पीड़ादायक दृश्य तब दिखाई देता है जब सड़कों पर फैले कचरे में गायों को भोजन खोजते देखा जाता है। भारतीय समाज में गाय को माता का दर्जा दिया जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि वही गायें प्लास्टिक, सड़ा भोजन और जहरीला कचरा खाने को मजबूर हैं। यह दृश्य हमारी सामाजिक संवेदनहीनता को उजागर करता है। श्रद्धा केवल शब्दों और नारों से नहीं, बल्कि व्यवहार से सिद्ध होती है। यदि हम सचमुच गाय को पूजनीय मानते हैं, तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वह कचरे में भोजन तलाशने के लिए मजबूर न हो।

आज शहरों में बढ़ती प्लास्टिक समस्या ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। लोग बिना सोचे-समझे प्लास्टिक का उपयोग करते हैं और उसे खुले में फेंक देते हैं। यही प्लास्टिक नालियों को जाम करती है, पर्यावरण को प्रदूषित करती है और जानवरों के लिए जानलेवा बन जाती है। सफाई कर्मचारी प्रतिदिन इस गंदगी से जूझते हैं, लेकिन समस्या की जड़ नागरिकों की लापरवाही में छिपी हुई है।

सरकारें समय-समय पर स्वच्छता अभियान चलाती हैं। 卐स्वच्छ भारत अभियान卐 ने लोगों में जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया, लेकिन केवल अभियान चलाने से स्थायी परिवर्तन नहीं आता। जब तक नागरिक स्वयं जिम्मेदारी नहीं निभाएंगे, तब तक स्वच्छता केवल सरकारी पोस्टरों और नारों तक सीमित रहेगी।

हमें यह समझना होगा कि सफाई केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं है। हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखे। कचरा अलग-अलग श्रेणियों में बांटना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाना और दूसरों को भी जागरूक करना, ये छोटी-छोटी आदतें बड़े परिवर्तन ला सकती हैं।

साथ ही सफाई कर्मचारियों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। उन्हें उचित वेतन, स्थायी रोजगार, स्वास्थ्य सुविधाएं और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। सीवर सफाई जैसी खतरनाक प्रक्रियाओं में मशीनों का अधिक उपयोग होना चाहिए ताकि मानव जीवन जोखिम में न पड़े।

शिक्षा व्यवस्था में भी स्वच्छता और नागरिक जिम्मेदारी को व्यवहारिक रूप में शामिल करने की आवश्यकता है। बच्चों को केवल किताबों में स्वच्छता का पाठ पढ़ाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उन्हें व्यवहार में इसे अपनाने की प्रेरणा देनी होगी। जब नई पीढ़ी स्वच्छता को आदत बनाएगी, तभी समाज में वास्तविक परिवर्तन संभव होगा।

मीडिया और समाज को भी सफाई कर्मचारियों की समस्याओं और योगदान को प्रमुखता से सामने लाना चाहिए। आमतौर पर लोग उन्हें तभी याद करते हैं जब हड़ताल होती है या शहर में गंदगी फैलती है लेकिन उनके दैनिक संघर्षों, मेहनत और योगदान पर बहुत कम चर्चा होती है। यदि समाज उन्हें सम्मान देगा, तो यह न केवल उनके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा बल्कि स्वच्छता के प्रति सामूहिक चेतना को भी मजबूत करेगा।

हमें यह भी समझना होगा कि स्वच्छता केवल सौंदर्य का विषय नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और सभ्यता का प्रश्न है। गंदगी से मच्छर, मक्खियां और अनेक बीमारियां फैलती हैं। अस्वच्छ वातावरण बच्चों, बुजुर्गों और गरीब वर्ग के लिए सबसे अधिक खतरनाक होता है। इसलिए सफाई कर्मचारियों का कार्य सीधे-सीधे समाज के स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है।

आज आवश्यकता केवल सफाई कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त कराने की नहीं, बल्कि अपनी सोच बदलने की है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि शहरों को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी केवल कुछ कर्मचारियों पर नहीं डाली जा सकती। जब तक नागरिक स्वयं जिम्मेदार नहीं बनेंगे, तब तक गंदगी और अव्यवस्था की समस्या बनी रहेगी। सफाई कर्मचारी वास्तव में हमारे शहरों के असली हीरो हैं। वे बिना किसी विशेष सम्मान या प्रसिद्धि की अपेक्षा के प्रतिदिन हमारे जीवन को बेहतर बनाने में लगे रहते हैं। उनकी मेहनत से ही शहर सांस लेते हैं, सड़कें चलने योग्य बनती हैं और समाज स्वस्थ रहता है।

यदि हम सचमुच एक सभ्य, संवेदनशील और विकसित समाज बनाना चाहते हैं तो सबसे पहले हमें सफाई कर्मचारियों के प्रति अपनी सोच बदलनी होगी। उन्हें सम्मान देना, उनकी समस्याओं को समझना और स्वच्छता को अपनी जिम्मेदारी बनाना ही सच्ची नागरिकता है। यही वह रास्ता है जो हमारे शहरों को केवल चमकदार ही नहीं, बल्कि मानवीय और संस्कारित भी बनाएगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

टी-20 विश्व कप जीतने पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने ईशान किशन को किया सम्मानित

एजेंसी

बिहार । टीम इंडिया को टी20 विश्व कप 2026 की ट्रॉफी जिताने में अहम किरदार निभाने वाले विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक करोड़ रुपये की इनामी राशि देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने ईशान को उनके सफल क्रिकेट करियर के लिए शुभकामनाएं भी दीं। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर ईशान संग तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य, शानदार बल्लेबाज, बिहार के लाल ईशान किशन को विश्व कप जिताने में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए राज्य सरकार द्वारा एक करोड़ रुपये की राशि देकर सम्मानित किया। सफल क्रिकेट करियर के लिए हार्दिक शुभकामनाएं, बिहार का नाम यूं ही रोशन करते रहिए।' टी20 विश्व कप 2026 में ईशान का प्रदर्शन दमदार रहा था। नंबर तीन पर खेलते हुए विकेटकीपर-बल्लेबाज ने अहम योगदान दिया। उन्होंने टूर्नामेंट में खेले 9 मुकाबलों में 193 के बेमिसाल स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 317 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से तीन अर्धशतक निकले और उनका सर्वाधिक स्कोर 77 रन रहा। ईशान टी20 वर्ल्ड कप में भारत की ओर से संजू सैमसन के बाद सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल मुकाबले में भी ईशान ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 25 गेंदों में 54 रनों की तेज तर्रार पारी खेली थी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले हम दबाव झेलने के लिए पूरी तरह तैयार : सलीमा टेटे

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले टीम बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) केंद्र में कड़ी मेहनत कर रही है और किसी भी तरह के दबाव का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। अर्जेंटीना दौरे के बाद टीम अपनी तैयारियों को और मजबूत करने में जुटी हुई है। भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में सलीमा टेटे ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया दौरा आगामी विश्व कप और एशियाई खेलों जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा। सलीमा ने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई टीम काफी मजबूत है, इसलिए मुकाबले उच्च स्तर के होंगे। हम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने को लेकर बेहद उत्साहित हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ हॉकी खेलने की कोशिश करेंगे। कोचिंग स्टाफ लगातार हमारे साथ मेहनत कर रहा है और हम सभी उनकी मेहनत के लिए आभारी हैं। उन्होंने कहा कि टीम लगातार सुधार कर रही है और युवा खिलाड़ियों को भी अवसर दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा 'नई खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और हमें उनका लगातार समर्थन करना होगा ताकि वे आगे भी बेहतर प्रदर्शन कर सकें'। राष्ट्रीय शिविर में चल रही कड़ी फिटनेस ट्रेनिंग पर बात करते हुए सलीमा ने कहा कि फिटनेस टीम की तैयारियों का सबसे अहम हिस्सा है।

महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए पाकिस्तान टीम घोषित, डायना बेग की वापसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने महिला टी20 विश्व कप 2026 और उससे पहले आयरलैंड में होने वाली त्रिकोणीय टी20 श्रृंखला के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। आयरलैंड, पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच यह त्रिकोणीय श्रृंखला 28 मई से 4 जून तक डबलिन में खेली जाएगी, जिसे विश्व कप की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है। पाकिस्तान टीम की कप्तानी एक बार फिर फातिमा सना को सौंपी गई है। वहीं, एमन फातिमा, नतालिया परवेज, रमीन शमीम, साइरा जबीन और तस्मिया रुबाब पहली बार महिला टी20 विश्व कप में हिस्सा लेंगी। हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेली गई टी20 श्रृंखला की टीम से केवल अंबर कैनात को बाहर किया गया है, जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज डायना बेग की टीम में वापसी हुई है। इसके अलावा छह खिलाड़ियों को रिजर्व सूची में रखा गया है। फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, आयशा जफर, डायना बेग, एमन फातिमा, गुल फिरोजा, इरम जावेद, मुनीबा अली (विकेटकीपर), नशरा संधू, नतालिया परवेज, रमीन शमीम, सादिया इकबाल, साइरा जबीन, तस्मिया रुबाब और टुबा हसन।

आईपीएल 2026: पंत ने बताया क्यों नहीं उतरे बल्लेबाजी करने, बोले- 'ज्यादा सोच टीम को नुकसान पहुंचा सकती है'

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान ऋषभ पंत चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में उस समय बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे, जब टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए लगातार तीन विकेट गंवा दिए थे। मैच के बाद पंत ने खुलासा किया कि यह फैसला उन खिलाड़ियों को मौका देने के लिए लिया गया, जिन्हें आईपीएल 2026 में ज्यादा बल्लेबाजी का अवसर नहीं मिला था। 188 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एलएसजी ने 12वें ओवर तक बिना विकेट खोए 135 रन बना लिए थे। इसके बाद टीम ने नौ रन के भीतर तीन विकेट गंवा दिए। इसके बावजूद ऋषभ पंत बल्लेबाजी के लिए नहीं आए। निकोलस पूरन के बाद अब्दुल समद और मुकुल चौधरी को बल्लेबाजी के लिए भेजा गया। आखिरकार एलएसजी ने सात विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच के बाद पंत ने कहा, 'मैं बल्लेबाजी के लिए तैयार था, लेकिन टीम मैनेजमेंट की ओर से विचार आया कि क्यों न उन खिलाड़ियों को मौका दिया जाए जिन्हें इस सीजन में ज्यादा अवसर नहीं मिले हैं। मैं लगातार सोच रहा था कि मुझे जाना चाहिए या नहीं, क्योंकि मैं मैदान पर उतरना चाहता था। लेकिन कभी-कभी आपको टीम के सोच और फैसले का सम्मान करना पड़ता है।'

थाईलैंड ओपन 2026: सात्विक-चिराग की जोड़ी ने कटाया फाइनल का टिकट

एजेंसी

पटुमवान (थाईलैंड) । भारत की टॉप पुरुष डबल्स जोड़ी सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने थाईलैंड ओपन सुपर 500 के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने मलेशिया के गोह सेफेई और नूरइजुद्दीन को हराकर 2026 सीजन के अपने पहले फाइनल का टिकट कटाया। टूर्नामेंट में पहली वरीयता प्राप्त वाली दुनिया की नंबर 4 भारतीय जोड़ी ने सेमीफाइनल मुकाबले को 19-21, 22-20, 21-16 से जीता। यह मुकाबला एक घंटे 22 मिनट तक चला। इस जीत के साथ ही मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ सात्विक और चिराग की जोड़ी का रिकॉर्ड अब 8-2 हो गया है। पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन के पहले ही टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद सात्विक और चिराग ने बैंकॉक में भारत की उम्मीदों को आगे बढ़ाया और सेमीफाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय जोड़ी का लक्ष्य 2024 में थाईलैंड ओपन जीतने के बाद अपना पहला खिताब और 2025 में चाइना मास्टर्स के बाद अपना पहला फाइनल खेलना था। मलेशियाई जोड़ी ने दमदार आगाज किया और वह शुरुआत में 3-1 से आगे चल रहे थे। हालांकि, जल्द ही सात्विक और चिराग ने वापसी की और स्कोर को 7-7 से बराबर कर दिया। हालांकि, गोह और इजुद्दीन की जोड़ी ने एक बार फिर बढ़त हासिल की। मलेशियाई जोड़ी ने इंटरवल तक तीन पॉइंट की बढ़त बनाई और बाद में स्कोर को 18-12 कर दिया। हालांकि, इसके बाद सात्विक और चिराग ने शानदार वापसी की। उन्होंने लगातार चार पॉइंट अर्जित किए।

हर बार जब भारतीय जोड़ी ने अंतर कम किया, तो मलेशियाई टीम ने अपनी पकड़ बनाए रखी और आखिरकार पहला गेम 21-19 से जीत लिया। दूसरा गेम और भी ज्यादा नाटकीय था। दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन सात्विक और चिराग ने पहले गेम के मुकाबले ज्यादा आत्मविश्वास और संयम दिखाया। उन्होंने अपनी बातचीत की दिक्कतों को सुलझाया और चार पॉइंट की बढ़त बनाकर ब्रेक तक 11-9 से आगे हो गए। ब्रेक के बाद गोह और इजुद्दीन ने वापसी की और कुछ देर के लिए कंट्रोल वापस पा लिया। हालांकि, भारतीय जोड़ी ने आक्रामक खेल दिखाया और गेम के आखिर में तीन पॉइंट की बढ़त बना ली।

जब ऐसा लग रहा था कि सात्विक और चिराग आराम से जीत जाएंगे, तभी मलेशियाई टीम ने दो गेम पॉइंट बचाकर स्कोर 20-20 से बराबर कर दिया, जिससे दोनों टीमों के बीच पहला अतिरिक्त-पॉइंट्स का स्कोर बना।

कप्तान पंत पर लगा 12 लाख का जुर्माना

एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान ऋषभ पंत पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। पंत पर यह जुर्माना एलएसजी और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच हुए मुकाबले में धीमी गति से ओवर फेंकने को लेकर लगा है। एलएसजी के गेंदबाजों ने सीएसके के खिलाफ 20 ओवर पूरे करने के लिए निर्धारित समय से ज्यादा वक्त लिया। आईपीएल 2026 में यह पहला मौका है, जब एलएसजी के गेंदबाज तय समय में ओवर फेंकने में नाकाम रहे हैं। इसी वजह से कप्तान पंत पर आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 के तहत जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल ने एक बयान में कहा, 'लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कैप्टन ऋषभ पंत पर जुर्माना लगाया गया है क्योंकि उनकी टीम ने लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ आईपीएल 2026 के 59वें मैच के दौरान धीमी गति से ओवर फेंके। यह आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 के तहत इस सीजन में उनकी टीम की पहली गलती थी, इसलिए ऋषभ पंत पर 12 लाख का जुर्माना लगाया गया।'

एस्टन विला ने लिवरपूल को 4-2 से हराया, चैंपियंस लीग के लिए पक्का किया क्वालिफिकेशन

एजेंसी

बर्मिंघम । एस्टन विला ने प्रीमियर लीग में लिवरपूल पर 4-2 से शानदार जीत हासिल करके अगले सीजन के यूईएफए चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफिकेशन पक्का कर लिया है। एस्टन विला की तरफ से ओली वॉटकिंस ने शानदार दो गोल किए। इस जीत से एस्टन विला 37 मुकाबलों में 62 पॉइंट के साथ चौथे नंबर पर पहुंच गया है। वहीं, लिवरपूल 59 पॉइंट के साथ पांचवें नंबर पर आ गया और अब क्लब को चैंपियंस लीग में अपनी जगह पक्की करने के लिए एक मुश्किल लड़ाई लड़नी होगी। उनाई एमरी की टीम ने विला पार्क में आक्रामक खेल दिखाया। लिवरपूल ने पहले हाफ में काफी समय तक मैच में कंट्रोल रखा, लेकिन विला ने 42वें मिनट में पहला गोल किया। मॉर्गन रोजर्स के पास पेनल्टी एरिया के बाईं ओर जगह थी और लुकास डिग्ने ने उन्हें पास दिया, और रोजर्स ने आराम से गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। दूसरे हाफ में जल्द ही लिवरपूल ने बराबरी कर ली। मैच के 52वें मिनट में कप्तान वर्जिल वैन डाइक ने

डोमिनिक सोबोस्जलाई के फ्री-किक पर हेडर से गोल किया। कुछ देर बाद मेहमान टीम लगभग मैच में वापसी कर ही ली थी, लेकिन युवा खिलाड़ी रियो न्युमोहा का दूर से खेला गया जोरदार शॉट गोल पोस्ट से टकरा गया। हालांकि, फिर सोबोस्जलाई की बड़ी गलती का फायदा उठाकर विला ने मैच में अपनी पकड़ को दोबारा से मजबूत कर लिया। ओली वॉटकिंस मौके को भुनाने में सफल रहे और उन्होंने शानदार गोल दागा। इसके बाद भी विला का आक्रामक खेल जारी रहा। एमिलियानो बुएंडिया का शानदार कर्लिंग शॉट भी पोस्ट से टकराया। वॉटकिंस ने मैच में अपना दूसरा गोल किया। सिक्स-यार्ड बॉक्स में रिबाउंड पर सबसे तेजी से रिएक्ट करते हुए वॉटकिंस ने गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। इसके बाद विला की मैच पर पकड़ काफी मजबूत हो गई। लिवरपूल के डिफेंस में कई खामियां नजर आईं, जिसका खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा। वैन डाइक ने स्टॉपेज टाइम में दूसरा हेडर से गोल करते हुए अंतर को कम करने का प्रयास किया। लिवरपूल की यह इस सीजन में 12वीं हार है और टीम अपनी खराब फॉर्म पर लगाम लगाने में नाकाम रही। पिछले तीन मुकाबलों में टीम को सिर्फ एक पॉइंट ही मिला है।

टी20 विश्व कप से पहले भारतीय महिला टीम ने लिया भगवान महाकाल का आशीर्वाद, भस्म आरती में शामिल हुईं खिलाड़ी

एजेंसी

उज्जैन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर पहुंची। कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम ने भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया और सभी खिलाड़ी भस्म आरती में भी शामिल हुईं। भारतीय टीम की कई खिलाड़ी अपने परिवार संग आशीर्वाद लेने पहुंचीं। सभी खिलाड़ियों ने पूजा-अर्चना करते हुए टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने की मनोकामना मांगी। भारतीय टीम की विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ने आईएएनएस के साथ बात करते हुए बताया कि महाकाल के दरबार में आकर उन्हें काफी शांति मिलती है। उन्होंने कहा कि वह पिछले महीने भी यहां आई थीं और भस्म आरती के दौरान बाबा के दर्शन करके उन्हें काफी सुकून मिलता है। यास्तिका ने बताया कि सभी खिलाड़ी विश्व कप से पहले भगवान महाकाल का आशीर्वाद लेना चाहती थीं, ताकि टीम के लिए टूर्नामेंट शानदार गुजरे। गौरतलब है कि वनडे वर्ल्ड कप का खिताब

जीतने के बाद भी भारतीय टीम ने महाकाल के दर्शन किए थे। महिला टी20 विश्व कप 2026 का आगाज 12 जून से होगा। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अपने अभियान का आगाज 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ करेगी। इसके बाद टीम की अगली भिड़ंत 17 जून को नीदरलैंड से होगी। वहीं, 21 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड के मैदान पर टीम इंडिया का सामना मजबूत साउथ अफ्रीका से होगा। भारत और बांग्लादेश के बीच 25 जून को रोमांचक मुकाबला खेला जाएगा, जबकि ग्रुप स्टेज के अपने आखिरी मुकाबले में भारतीय टीम 28 जून को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी।

वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम टी20 में भी दमदार प्रदर्शन करना चाहेगी। साल 2024 में खेले गए टी20 विश्व कप में टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाने में नाकाम रही थी। हालांकि, पिछले कुछ समय में भारतीय टीम ने इस फॉर्मेट में शानदार क्रिकेट खेली है। इसी साल टीम इंडिया ने तीन मैचों की टी20 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को उन्हीं के घर में शिकस्त दी थी। अप्रैल 2026 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारतीय टीम का प्रदर्शन जरूर निराशाजनक रहा था।

अनिमेष कुजूर, मोहम्मद अफसल ने सऊदी एथलेटिक्स जीपी 2026 में दर्ज की शानदार जीत

एजेंसी

रियाद। अनिमेष कुजूर और मोहम्मद अफसल ने रियाद में सऊदी एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स 2026 में अपने-अपने इवेंट्स में जीत हासिल करके इंटरनेशनल सर्किट पर अपना शानदार फॉर्म जारी रखा। प्रिंसेस नौराह बिंत अब्दुलरहमान यूनिवर्सिटी स्टेडियम में नेशनल रिकॉर्ड होल्डर अफसल ने पुरुषों की 800 मीटर रेस 1:48.24 समय में पूरा करके शानदार फिनिश किया। भारतीय धावक ने साउथ अफ्रीका के क्रिस्टोफर स्वार्ट को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 1:48.50 में रेस पूरी की। वर्नर गौव्स 1:48.75 के साथ तीसरे स्थान पर रहे। पोलैंड में 1:44.93 समय के साथ भारतीय नेशनल रिकॉर्ड बनाने वाले अफसल का इंटरनेशल स्तर पर एक और शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। इससे पहले, वह एशियन गेम्स में 1:48.43 के समय के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम कर चुके हैं।सऊदी एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर में कई देशों के एथलीट शामिल हुए हैं। कुजूर ने देश के सबसे

तेज स्प्रिंटिंग टैलेंट के तौर पर अपनी पहचान भी बनाई और पुरुषों की 200 मीटर रेस का टाइटल 20.77 सेकंड में जीता। ग्रेट ब्रिटेन के डेविड हैरिसन (20.87 सेकंड) और टोबी हैरिस (21.01 सेंकड) को 22 साल के कुजूर ने हराया। इससे पहले, कुजूर पुरुषों की 100 मीटर रेस में टॉप के बहुत करीब थे, उन्होंने 10.44 सेकंड का समय निकाला और हैरिसन के बाद दूसरे स्थान पर रहे, जिन्होंने 10.42 सेकंड में रेस जीती थी। पूर्व भारतीय नेशनल रिकॉर्ड होल्डर गुरिंदरवीर सिंह ने भी 10.44 सेकंड का समय निकाला, लेकिन फोटो फिनिश के बाद उन्हें तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। कुजूर के नाम अभी भारत में दोनों स्प्रिंट इवेंट का नेशनल रिकॉर्ड है। पिछले साल, उन्होंने ग्रीस में 10.18 सेकंड में 100 मीटर का नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा था और बाद में एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 20.32 सेकंड का नया 200 मीटर रिकॉर्ड बनाया।

यह युवा स्प्रिंटर पिछले महीने नई दिल्ली में इंडियन एथलेटिक्स सीरीज में स्प्रिंट डबल पूरा करने के बाद रियाद पहुंचने पर भी शानदार फॉर्म में था, उन्होंने 100 मीटर और 200 मीटर दोनों रेस जीतीं। एम कृषिक ने भारत को एक और पोडियम फिनिश दिलाया, पुरुषों की 110 मीटर हर्डल्स में 13.90 सेकंड के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। यह 60 मीटर हर्डल्स में भारतीय इनडोर चैंपियन का पहली इंटरनेशनल प्रतियोगिता थी।

वैभव सूर्यवंशी का इंडिया 'ए' टीम में चयन, बीसीए अध्यक्ष हर्षवर्धन ने दी बधाई

एजेंसी

पटना। बिहार के समस्तीपुर जिले से संबंध रखने वाले बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी क्रिकेट जगत में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। वैभव को हाल ही में भारतीय ए टीम में शामिल किया गया है। इतनी छोटी उम्र में भारतीय ए टीम का हिस्सा बनने पर वैभव को बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) के अध्यक्ष हर्षवर्धन ने बधाई दी और इसे बिहार क्रिकेट के लिए एक और गर्व का पल बताया है। हर्षवर्धन ने कहा, 'वैभव सूर्यवंशी को इंडिया ए टीम में चुने जाने पर बहुत-बहुत बधाई। यह न सिर्फ उनके लिए बल्कि बिहार क्रिकेट के लिए भी गर्व की बात है। वैभव ने आईपीएल समेत अलग-अलग स्तर पर जिस तरह से परफॉर्म किया है, उससे साफ पता चलता है कि बिहार के खिलाड़ी बड़े स्टेज पर चमक रहे हैं। उनके प्रदर्शन से राज्य में मौजूद प्रतिभाओं की क्षमता का पता चलता है।' पिछले महीने, बीसीए अध्यक्ष ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के लिए डेब्यू करने वाले बिहार के गोपालगंज जिले के युवा तेज गेंदबाज साकिब हुसैन की भी तारीफ की थी। साकिब ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ चार विकेट लिए थे।

बीसीए अधिकारियों को लगता है कि इन खिलाड़ियों की उपलब्धि बिहार क्रिकेट का हौसला बढ़ाने वाला संकेत हैं। इससे राज्य के अन्य युवा खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे क्रिकेट में करियर बनाने को प्रेरित होंगे।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने हाल ही में भारत, श्रीलंका और अफगानिस्तान की ए टीमों के बीच होने वाली वनडे सीरीज के लिए भारतीय ए टीम की घोषणा की है। इस टीम में वैभव सूर्यवंशी को जगह मिली है। वैभव को मौजूदा समय में न सिर्फ भारत का बल्कि विश्व क्रिकेट का सबसे तेजी से उभरता हुआ सितारा माना जा रहा है। वैभव को क्रिकेट के अगले सुपरस्टार के रूप में देखा जा रहा है।

यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने रूस और बेलारूस पहलवानों पर लगी रोक हटाई

एजेंसी

जिनेवा । यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने घोषणा की है कि रूस और बेलारूस के पहलवानों को तुरंत प्रभाव से यूडब्ल्यूडब्ल्यू कॉम्पिटिशन में बिना किसी रोक के हिस्सा लेने की इजाजत दे दी गई है। यूडब्ल्यूडब्ल्यू की तरफ से एक प्रेस रिलीज में कहा गया, 'दोनों देशों के पहलवान अब सीनियर स्तर की प्रतियोगिताओं सहित सभी श्रेणी में अपने-अपने राष्ट्रीय झंडे के नीचे मुकाबला करेंगे। एथलीट और टीम स्टाफ को भी अपनी यूनिफॉर्म पर रूस और बेलारूस की शॉर्ट फॉर्म दिखाने की इजाजत होगी। अगर रूस और बेलारूस के पहलवान गोल्ड मेडल जीतते हैं या उनकी टीमें चैंपियनशिप खिताब जीतती हैं, तो मेडल सेरेमनी के दौरान उनका राष्ट्रगान बजाया

जाएगा।' यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने कहा कि बाकी सभी प्रतियोगिता प्रक्रिया और प्रोटोकॉल मानक अंतरराष्ट्रीय रेसलिंग (कुश्ती) नियमों का पालन करते रहेंगे। यह नया कदम यूडब्ल्यूडब्ल्यू के नजरिए में एक बड़ा बदलाव दिखाता है, क्योंकि 2022 में यूक्रेन के आसपास जियोपॉलिटिकल झगड़े के बाद पहली बार पाबंदियां लगाई गई थीं। उस साल मार्च में, रेसलिंग गवर्निंग बॉडी ने इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी की सिफारिशों के साथ तालमेल बिठाया और रूसी और बेलारूसी पहलवानों और अधिकारियों को यूडब्ल्यूडब्ल्यू कैलेंडर के इवेंट्स में हिस्सा लेने से रोक दिया। हालांकि, पिछले दो सालों में, यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने धीरे-धीरे उन पाबंदियों में ढील दी है। अप्रैल 2023 में, फेडरेशन ने आईओसी की सुझाई गई सहभागिता निर्देश के तहत रूस और बेलारूस के पहलवानों की योग्यता का आकलन करने के लिए एक स्वतंत्र पैनल बनाया। इसी दौरान, दोनों देशों के अंडर-15 और अंडर-17 श्रेणी के एथलीटों को न्यूट्रल एथलीट के तौर पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुकाबला करने की इजाजत दी गई। इस साल जनवरी में एक और ढील तब मिली जब यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने अंडर-23 एज-ग्रुप लेवल तक रूसी और बेलारूसी पहलवानों को उनके राष्ट्रीय झंडे के तहत हिस्सा लेने की मंजूरी दे दी। यह फैसला आईओसी की एक सिफारिश के बाद लिया गया था जिसमें कहा गया था कि रूसी या बेलारूसी पासपोर्ट रखने वाले युवा एथलीटों को अंतरराष्ट्रीय स्पोर्टिंग इवेंट्स में पाबंदियों का सामना नहीं करना चाहिए।

सीएसके बनाम एलएसजी: अंशुल कंबोज की हुई जमकर धुनाई, नाम से जुड़ा शर्मनाक रिकॉर्ड

एजेंसी

लखनऊ । आईपीएल 2026 के 59वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सीएसके के गेंदबाज अंशुल कंबोज इस मुकाबले में काफी महंगे साबित हुए और उन्होंने 2.4 ओवर के स्पेल में बिना कोई विकेट चटकाए 63 रन दिए। अंशुल के खिलाफ एलएसजी की पारी के 17वें ओवर में निकोलस पूरन ने लगातार चार छक्के लगाते हुए टीम को जीत दिलाई। आईपीएल में दूसरा मौका है, जब अंशुल के एक ही ओवर में 4 छक्के लगे हैं। वह आईपीएल इतिहास के पहले ऐसे गेंदबाज बन गए हैं, जिन्होंने दो बार एक ओवर में 4 छक्के खाए हैं। इसके साथ ही अंशुल ने चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से आईपीएल में दूसरा सबसे महंगा स्पेल फेंका। अंशुल के खिलाफ एलएसजी के बल्लेबाजों ने कुल 8 छक्के लगाए। अंशुल आईपीएल की एक पारी में

सर्वाधिक छक्के खाने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में संयुक्त रूप से ना चाहते हुए भी पहले नंबर पर पहुंच गए हैं। उनसे पहले यह शर्मनाक रिकॉर्ड यश दयाल के नाम दर्ज है, जिनके खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाजों ने साल 2023 में खेले गए मुकाबले में 8 छक्के लगाए थे। सीएसके के तेज गेंदबाज अंशुल आईपीएल में तीन या उससे कम ओवर फेंकने के बावजूद 60 से अधिक रन खर्च करने वाले महज दूसरे गेंदबाज हैं। इससे पहले, खलील अहमद ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ बिना कोई विकेट चटकाए 65 रन दिए थे।

सुपर चेस क्लासिक रोमानिया 2026: प्रज्ञानानंद ने विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर सिंदारोव को हराया

एजेंसी

बुखारेस्ट। भारत के ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने ग्रैंड चेस टूर के सुपर चेस क्लासिक रोमानिया 2026 के दूसरे दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर जावोखिर सिंदारोव को काले मोहरों से मात दी। डिफेंडिंग चैंपियन प्रज्ञानानंद ने पहले दौर में फ्रांस के अलीरेज़ा फिरोज़ा के खिलाफ मुश्किल स्थिति से ड्रॉ बचाया था। दूसरे दौर में जीत दर्ज करने के बाद वह 2 मुकाबलों में 1.5 अंक के साथ शुरुआती बढ़त हासिल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। गौरतलब है कि पहले दौर की सभी पांच बाजियां ड्रॉ रही थीं। यह जीत प्रज्ञानानंद के लिए बदले जैसी भी रही, क्योंकि 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में सिंदारोव ने उन्हें दोनों मुकाबलों में हराया था। उन मुकाबलों में उज्बेकिस्तान के खिलाड़ी सिंदारोव ने घोड़े की कुर्बानी देकर आक्रामक खेल दिखाया था। हालांकि इस बार भी सिंदारोव ने घोड़े की बलि दी, लेकिन प्रज्ञानानंद ने शांत और सटीक बचाव करते हुए अतिरिक्त मोहरे का फायदा उठाया और मुकाबला अपने नाम कर लिया। सुपर चेस क्लासिक रोमानिया 2026, 10 खिलाड़ियों के बीच खेला जा रहा क्लासिकल राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट है और यह 2026 ग्रैंड चेस टूर का दूसरा टूर्नामेंट है।

खेल मंत्री डॉ. मांडविया ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की तैयारी की समीक्षा के लिए हुई बैठक की अध्यक्षता की

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने स्कॉटलैंड के ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए भारत की तैयारियों का आकलन करने के लिए एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में स्टेकहोल्डर्स के बीच आसान तालमेल पक्का करने और कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की तैयारी कर रहे भारतीय एथलीटों के लिए सपोर्ट सिस्टम को मजबूत करने पर चर्चा हुई। बैठक में युवा मामले और खेल मंत्रालय के सीनियर अधिकारी, इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) के प्रतिनिधि, कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के शेफ डी मिशन, और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के अधिकारी शामिल हुए। मंत्रालय की रिलीज के मुताबिक, 'समीक्षा बैठक में ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के कैंपेन के लिए पूरी तैयारी पक्का करने के लिए मंत्रालय, आईओए, साई, गुजरात सरकार और जुड़े स्टेकहोल्डर्स की प्रतिबद्धता पर

फिर से सहमति जताई गई। बैठक के दौरान, खेल मंत्री ने भारत के कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 कैंपेन से जुड़ी एथलीट की तैयारी, ट्रेनिंग, लॉजिस्टिक्स, कल्याण और समन्वय का आकलन किया।'

डॉ. मांडविया ने जोर दिया कि सरकार भारतीय एथलीटों को खेल में अपने सबसे ऊंचे स्तर पर प्रदर्शन करने में मदद करने के लिए हर मुमकिन सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने देश के लिए एक सफल कैंपेन पक्का करने के लिए समय पर योजना, एजेंसियों के बीच तालमेल और एथलीट-आधारित तैयारी के महत्व पर भी जोर दिया। बैठक में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की क्लोजिंग सेरेमनी से जुड़ी तैयारियों पर भी चर्चा हुई, जिसके दौरान भारत को गुजरात के अहमदाबाद में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 के मेजबान के तौर पर आधिकारिक तौर पर बैटन मिलेगी।

इसे देखते हुए, गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी और गुजरात सरकार के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भी समीक्षा बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में ग्लासगो 2026 के लिए ऑपरेशनल और लॉजिस्टिक तैयारियों के बारे में खेल सचिव और अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों के प्रतिनिधियों के द्वारा किए जा रहे अंतर-विभागीय मंत्रालयों के समन्वय के प्रयासों की प्रगति की समीक्षा की गई।

इसके अलावा भारतीय दल से जुड़े सभी इंतजामों को आसानी से पूरा करने पर भी चर्चा हुई। साई और मंत्रालयों के अधिकारियों ने कॉम्पिटिशन एक्सपोजर, ट्रेनिंग शेड्यूल, सपोर्ट स्टाफ की तैनाती, और बैकअप योजना के बारे में भी जानकारी दी।

देश का निर्यात अप्रैल महीने में 13.78 फीसदी बढ़कर 43.56 अरब डॉलर पर

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट एवं वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश का निर्यात अप्रैल में 13.78 फीसदी बढ़कर 43.56 अरब डॉलर हो गया। हालांकि आयात में 10 फीसदी की वृद्धि के कारण व्यापार घाटा भी बढ़कर 28.38 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि अप्रैल में आयात में पिछले वर्ष की तुलना में 10 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है। यह 71.94 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस दौरान व्यापार घाटा 28.38 अरब डॉलर रहा। देश के कुल निर्यात और आयात दोनों में बढ़ोतरी हुई है। अग्रवाल ने कहा कि पिछले महीने पश्चिम एशिया को भारत का निर्यात 28 फीसदी घटकर 4.16 अरब डॉलर रहा, जबकि अप्रैल 2025 में यह 5.78 अरब डॉलर रहा था। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया से आयात अप्रैल में 31.64 फीसदी घटकर 10.47 अरब डॉलर रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में यह 15.32 अरब डॉलर रहा था।

कोयला राज्यमंत्री ने सीएमपीडीआईएल की समीक्षा की

नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला एवं खान राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे ने रांची स्थित केंद्रीय खान योजना एवं डिजाइन संस्थान लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल) के कामकाज की समीक्षा की। दुबे की अध्यक्षता में आयोजित बैठक का उद्देश्य सीएमपीडीआई के प्रदर्शन और भविष्य की रूपरेखा तैयार करना था। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि कोयला और खान राज्यमंत्री दुबे ने 14 मई को रांची में स्थित सीएमपीडीआईएल की एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, ताकि कोयला और खनिज अन्वेषण के क्षेत्र में संगठन के प्रदर्शन और भविष्य की रूपरेखा का आकलन किया जा सके। समीक्षा बैठक के दौरान अन्वेषण, रिपोर्ट तैयार करने, पूंजीगत व्यय, अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं, सीएसआर पहलों और सौर परियोजनाओं जैसे विभिन्न परिचालन क्षेत्रों में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान सीएमपीडीआईएल के निष्पादन को 2026-27 के लक्ष्यों के साथ प्रस्तुत किया गया। दुबे ने सीएमपीडीआईएल के निष्पादन की सराहना की और देश की भावी ऊर्जा एवं आर्थिक सुरक्षा के लिए आवश्यक स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियों के महत्व के साथ-साथ महत्वपूर्ण खनिजों के कार्यनीतिक अन्वेषण पर बल दिया। इस अवसर पर सीसीएल के सीएमडी नीलेन्दु कुमार सिंह, एमईसीएल के सीएमडी आईडी नारायण उपस्थित थे। सीएमपीडीआईएल प्रबंधन को निर्देश दिया गया कि वे खरीद प्रक्रियाओं को सरल बनाएं, पारदर्शिता बढ़ाएं और बाजार तक पहुंच में सुधार करें ताकि बड़ी संख्या में बोलीदाताओं की भागीदारी के कारण परियोजनाओं में देरी न हो।

भ्रामक विज्ञापनों के लिए दो कोचिंग संस्थानों पर लगा 15 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने जेईई और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) के नतीजों को लेकर गुमराह करने वाले विज्ञापनों के लिए दो कोचिंग संस्थानों पर 15 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने मोशन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ अंतिम आदेश पारित करते हुए 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है, जबकि करियर लाइन कोचिंग (सीएलसी), सीकर के खिलाफ 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सीसीपीए की ओर से यह कार्रवाई भ्रामक विज्ञापन, अनुचित व्यापार प्रथाओं और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन में लिप्त पाए जाने पर की गई है। सीसीपीए ने कहा कि इन दोनों संस्थानों की ओर से प्रकाशित कराये गए विज्ञापनों में उन कोर्सों के बारे में अहम जानकारी छिपाई गई थी, जिनकी सफलता की कहानियों को उनके प्रचार सामग्री में प्रमुखता से दिखाया गया था। सीसीपीए की मुख्य आयुक्त निधि खरे और आयुक्त अनुपम मिश्रा द्वारा पारित आदेशों में दोनों संस्थानों को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 का उल्लंघन करते हुए पाया गया। वे अनुचित व्यापार प्रथाओं और उपभोक्ताओं के अधिकारों के हनन के दोषी पाए गए।

प्राकृतिक हीरा क्षेत्र के भविष्य पर ध्यान केन्द्रित करने के साथ खत्म हुआ किम्बर्ली प्रक्रिया अंतरसत्रीय सम्मेलन

मुंबई। भारत की अध्यक्षता में मुंबई में आयोजित किम्बर्ली प्रक्रिया (केपी) अंतरसत्रीय सम्मेलन का प्राकृतिक हीरा क्षेत्र के भविष्य पर ध्यान केन्द्रित करने के साथ समापन हो गया। इस अंतरसत्रीय सम्मेलन में प्राकृतिक हीरा व्यापार में पारदर्शिता, शासन और परिचालन सुधारों पर ध्यान केंद्रित किया गया। भारत की अध्यक्षता में मुंबई में आयोजित किम्बर्ली प्रक्रिया (केपी) अंतरसत्रीय बैठक में प्राकृतिक हीरा क्षेत्र के भविष्य से जुड़े विषयों पर केपी प्रतिभागियों, पर्यवेक्षकों, उद्योग हितधारकों और नागरिक समाज संगठनों के प्रतिनिधियों ने चार दिनों तक एक मंच पर विचार-विमर्श किया। भारत की अध्यक्षता के मुख्य विषय, विश्वसनीयता, अनुपालन और उपभोक्ता विश्वास (3सी) के तहत आयोजित इस चार-दिवसीय बैठक का मुख्य ज़ोर वैश्विक प्राकृतिक हीरा व्यापार के भीतर पारदर्शिता, सुशासन और परिचालन तंत्र को मज़बूत करने पर था। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अंतरसत्रीय सम्मेलन के समापन अवसर पर कहा कि भारत, हीरा तराशने और पॉलिश करने के मामले में विश्व के अग्रणी केंद्र के साथ-साथ प्राकृतिक हीरों को विश्वास।

सरकार ने पेट्रोल निर्यात पर बढ़ाया टैक्स, डीजल और एटीएफ पर घटाई ड्यूटी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों पर निर्यात टैक्स में बदलाव किया है। सरकार ने पेट्रोल निर्यात पर 3 रुपए प्रति लीटर का विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) लगाया है, जबकि डीजल पर शुल्क घटाकर 16.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया है। यह नया आदेश शनिवार से लागू होगा। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि पेट्रोल निर्यात पर 3 रुपए प्रति लीटर का शुल्क लागू किया जाएगा, जबकि डीजल पर शुल्क संशोधित कर 16.5 रुपए प्रति लीटर किया गया है। अधिसूचना में यह भी कहा गया कि पेट्रोल और डीजल निर्यात पर सड़क और इंफ्रास्ट्रक्चर सेस को शून्य कर दिया गया है। सरकार के अनुसार, घरेलू ईंधन पर लगने वाले टैक्स में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने के बाद पहली बार पेट्रोल निर्यात पर नया एसएईडी लगाया गया है। वहीं, डीजल

और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर निर्यात शुल्क को पिछले कुछ महीनों में कई संशोधनों के बाद कम किया गया है। इससे पहले डीजल पर निर्यात शुल्क में कई बार बदलाव किया गया था। 26 मार्च को इसे 21.50 रुपए प्रति लीटर तय किया गया था, फिर 11 अप्रैल को बढ़ाकर 55.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया। इसके बाद 30 अप्रैल को इसे घटाकर 23 रुपए प्रति लीटर किया गया और अब इसे और कम करके 16.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है। इसी तरह, एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर भी इसी प्रकार बदलाव हुए। पहले इसका शुल्क 29.5 रुपए प्रति लीटर था, फिर इसे बढ़ाकर 42 रुपए प्रति लीटर किया गया। बाद में इसे घटाकर 33 रुपए प्रति लीटर किया गया और अब इसे कम करके 16 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है। पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक तेल बाजार में बढ़ती अस्थिरता के बीच घरेलू ईंधन उपलब्धता बनाए रखने और निर्यात पर नियंत्रण के लिए विंडफॉल टैक्स ढांचा लागू किया गया था। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता नहीं हो पाने के बाद भू-राजनीतिक तनाव अभी भी बना हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के प्रस्ताव को खारिज करते हुए कहा, 'मुझे यह पसंद नहीं है - बिल्कुल अस्वीकार्य है।'

देश में एलपीजी की आपूर्ति सुचारू, कहीं से आपूर्ति ठप होने की रिपोर्ट नहींः केंद्र

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी दर्ज हुई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार आठ मई को समाप्त हफ्ते में 6.29 अरब डॉलर बढ़कर 696.99 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 7.79 अरब डॉलर घटकर 690.69 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बताया कि आठ मई को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए) 56.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 552.39 अरब डॉलर हो गईं। आंकड़ों के अनुसार

समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 5.64 अरब डॉलर बढ़कर 120.85 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.87 अरब डॉलर हो गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत का आरक्षित कोष भी 1.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.87 अरब डॉलर पहुंच गया। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 27 फरवरी को समाप्त हफ्ते के 728.494 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

केंद्र ने 7,280 करोड़ रुपये की 'रेयर अर्थ मैग्नेट' योजना के लिए बोली लगाने की समय सीमा 29 जून तक बढ़ाई

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट (आरईपीएम) विनिर्माण संवर्धन योजना के अंगर्तत 7,280 करोड़ रुपये की वैश्विक निविदा के लिए बोली जमा करने की समय-सीमा 29 जून तक के लिए बढ़ा दी है। भारी उद्योग मंत्रालय ने 7,280 करोड़ रुपये की उस योजना के तहत ग्लोबल टेंडर की समय-सीमा बढ़ा दी है, जिसका मकसद सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट (आरईपीएम) के निर्माण को बढ़ावा देना है। ऐसा इसलिए किया गया है, ताकि ज़्यादा से ज़्यादा लोग इसमें हिस्सा ले सकें और बोली लगाने की प्रक्रिया में शामिल लोगों को अतिरिक्त समय मिल सके। बोली जमा करने की अंतिम तिथि 28 मई से बढ़ाकर 29 जून कर दी गई है, जबकि तकनीकी बोलियों को खोलने की तिथि 29 मई से पुनर्निर्धारित करके 30 जून कर दी गई है, ताकि अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित हो सके और हितधारकों को बोली प्रक्रिया में अतिरिक्त समय मिल सके। सभी हितधारकों की जानकारी के लिए अधिशेष केंद्रीय सार्वजनिक खरीद

(सीपीपी) पोर्टल (https://eprocure.gov.in/eprocure/app) पर प्रकाशित किया गया है। भारत में सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए आरईपीएम योजना के तहत लाभार्थियों के रूप में निर्माताओं के चयन हेतु मंत्रालय ने 20 मार्च को वैश्विक निविदा आमंत्रित की गई थी। रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट विश्व के सबसे शक्तिशाली चुंबकों में से हैं और इनका व्यापक रूप से विद्युत वाहनों, पवन टर्बाइनों, उच्च स्तरीय इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, एयरोस्पेस और रक्षा प्रणालियों में उपयोग किया जाता है। भारत में एनडीपीआर ऑक्साइड से लेकर तैयार चुंबकों तक की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला का निर्माण करके इस योजना से इस क्षेत्र में आयात पर निर्भरता में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है।

सेल का चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 42 फीसदी बढ़कर 1,680 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने वित्त वर्ष 2025-26 की (जनवरी-मार्च) चौथी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 मार्च को समाप्त जनवरी-मार्च में सेल का शुद्ध लाभ 42 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 1,680 करोड़ रुपये रहा। करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में कंपनी ने 1,178 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। सेल ने जारी एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में कंपनी की परिचालन आय बढ़कर 30,813 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2024-25 की इसी तिमाही में 29,316 करोड़ रुपये थी। इसके साथ ही कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 2.35 रुपये के अंतिम लाभांश को भी मंजूरी दे दी है। कंपनी ने कहा कि पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में सेल का शुद्ध लाभ

बढ़कर 3,233 करोड़ रुपये रहा, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में यह 2,148 करोड़ रुपये था। इसके अलावा वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी की परिचालन आय 1,10,810 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 1,02,478 करोड़ रुपये रही थी। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ए. के. पंडा ने कंपनी के चौथी तिमाही के नतीजे पर कहा कि बिक्री मात्रा में वृद्धि के साथ माल-भंडार और उधारी में कमी ने हमारी लाभप्रदता को और मजबूत किया है। इसके परिणामस्वरूप कर-पूर्व लाभ और कर-पश्चात लाभ में वृद्धि दर्ज की गई है।

पेट्रोल-डीजल महंगा होते ही गिग वर्कर्स का बड़ा विरोध, 20 रुपये प्रति किलोमीटर की मांग, 5 घंटे तक ऐप बंद का ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी के खिलाफ अब देशभर के गिग और ऐप आधारित वर्कर्स में नाराजगी बढ़ती जा रही है। गिग और प्लेटफॉर्म सेवा श्रमिक संघ (जीआईपीएसडब्ल्यूयू) ने सरकार और डिजिटल प्लेटफॉर्म कंपनियों के खिलाफ बड़ा विरोध प्रदर्शन शुरू करने का ऐलान किया है। यूनियन ने मांग की है कि ऐप आधारित डिलीवरी और ट्रांसपोर्ट वर्कर्स को कम से कम 20 रुपये प्रति किलोमीटर का भुगतान किया जाए। साथ ही शनिवार को दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक देशभर में ऐप सेवाओं के अस्थायी बंद का आह्वान किया गया है। यूनियन का कहना है कि 15 मई को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी ने लाखों गिग वर्कर्स की आर्थिक मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। जीआईपीएसडब्ल्यूयू के मुताबिक यह लगभग चार साल बाद ईंधन कीमतों में पहली बड़ी राष्ट्रीय स्तर की बढ़ोतरी है।

यूनियन ने कहा कि देश में करीब 1.2 करोड़ गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स

सीधे तौर पर इस फैसले से प्रभावित होंगे। इनमें फूड डिलीवरी, ट्रांसपोर्ट, लॉजिस्टिक्स और अन्य ऐप आधारित सेवाओं से जुड़े लोग शामिल हैं।

जीआईपीएसडब्ल्यूयू ने ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को जिम्मेदार बताया है। यूनियन की अध्यक्ष सीमा सिंह ने कहा कि पेट्रोल-डीजल महंगा होने के साथ-साथ एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में पहले हुई बढ़ोतरी ने भी कामगारों पर भारी आर्थिक दबाव डाला है।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द भुगतान संरचना में बदलाव नहीं किया गया, तो बड़ी संख्या में गिग वर्कर्स इस क्षेत्र को छोड़ने पर मजबूर हो सकते हैं। सीमा सिंह ने सरकार और स्विगी, जोमैटो और ब्लिंकिट जैसी कंपनियों से मांग की कि डिलीवरी और ट्रांसपोर्ट वर्कर्स के लिए न्यूनतम 20 रुपए प्रति किलोमीटर सेवा दर तय की जाए।

उन्होंने कहा कि इन प्लेटफॉर्म्स से जुड़े कर्मचारी लंबे समय तक तेज गर्मी और खराब मौसम में मोटरसाइकिल और स्कूटर चलाकर काम करते हैं, इसलिए बढ़ती ईंधन कीमतों का सबसे ज्यादा असर इन्हीं पर पड़ रहा है।

यूनियन ने देशभर के गिग वर्कर्स से अपील की है कि वे शनिवार को दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक ऐप आधारित सेवाएं बंद रखकर इस विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लें।

लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 790 अंक उछला

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक-भू राजनीतिक संकट के बीच हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। लगातार दूसरे दिन बाजार में तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 790 अंक चढ़कर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 277 अंक की तेजी के साथ बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 789.74 अंक यानी 1.06 फीसदी की उछाल के साथ 75,398.72 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स ने कारोबार के दौरान मजबूत शुरुआती की लेकिन जल्द ही यह नकारात्मक क्षेत्र में चला गया। हालांकि, दूरसंचार और बैंकिंग के शेयरों में खरीदारी लौटने से यह एक समय 1,000 अंक से ज्यादा चढ़कर 75,681.88 अंक के स्तर तक पहुंच गया था।

वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 277 अंक यानी 1.18 फीसदी की बढ़त के साथ 23,689.60 के स्तर पर बंद हुआ है। इस तरह शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी का रुख कायम रहा। सेंसेक्स की कंपनियों में भारती एयरटेल में सर्वाधिक पांच फीसदी से अधिक की तेजी आई। कारोबार के दौरान दूरसंचार, दवा और निजी बैंकिंग शेयरों में खरीदारी आने से शेयर बाजार को मजबूती मिली। वहीं, आईटी के शेयरों में आज बिकवाली रही। इसके अलावा चीन का शंघाई कम्पोजिट और जापान का निक्की गिरावट के साथ बंद हुआ जबकि हांगकांग का हैंगसेंग स्थिर रहा। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी बढ़त में रहा। यूरोपीय बाजार दोपहर के कारोबार में तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में भारतीय रुपया आज अमेरिकी डॉलर के मुकाबले और कमजोर होकर रिकॉर्ड निचले स्तर 95.73 (अस्थायी) पर रहा। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले घरेलू शेयर बाजार में बढ़त रही। सेंसेक्स 50 अंक की तेजी के साथ 74,609 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 33 अंक की तेजी के साथ 23,413 के स्तर पर बंद हुआ था।

अमेरिकी दल व्यापार वार्ता के लिए अगले महीने आ सकता है भारत : वाणिज्य सचिव

एजेंसी

नई दिल्ली। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि अमेरिकी दल के अगले महीने भारत आने की संभावना है। हालांकि अभी उनके आने की तारीख तय नहीं हुई है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने यहां संवाददाताओं को बताया कि भारत अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने के लिए एक सही समय का इंतज़ार कर रहा है। उन्होंने कहा, ''हम उम्मीद करते हैं कि अमेरिकी दल जल्द आएगा। इस महीने नहीं, शायद अगले महीने आएगा...।'' उन्होंने कहा कि भारत, अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है और इस पर उपयुक्त समय पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। साथ ही भारत धारा-301 के तहत जांच को लेकर भी

अमेरिका से बातचीत कर रहा है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी व्यापार टीम के साथ बातचीत का अगला दौर जून में होने की उम्मीद है, जबकि अमेरिकी सेक्शन 301 की जांच को लेकर बातचीत जारी है। अग्रवाल ने कहा कि भारत इस बातचीत की प्रक्रिया में शामिल हो गया है और अगले कदमों के बारे में वॉशिंगटन से आगे की जानकारी का इंतजार कर रहा है। दरअसल भारतीय दल अप्रैल में वॉशिंगटन गया था जहां ,अमेरिकी अधिकारियों के साथ बैठक कर अंतरिम समझौते के विवरण को अंतिम रूप देने एवं व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के तहत वार्ताओं को आगे बढ़ाने पर चर्चा की गई थी। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका ने 7 फरवरी को संयुक्त बयान जारी कर द्विपक्षीय रूप से लाभकारी व्यापार के लिए अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा को अंतिम रूप देने की घोषणा की थी। बीते वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान अमेरिका को भारत का निर्यात 0.92 फीसदी बढ़कर 87.3 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 15.95 फीसदी की बढ़त के साथ 52.9 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। वहीं, व्यापार अधिशेष 40.89 अरब डॉलर से घटकर 34.4 अरब डॉलर रहा।

दो दिन की तेजी के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को लगा 1.68 लाख करोड़ का चूना

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार दो दिन तक तेजी के साथ कारोबार करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। शुरुआती दो घंटे के कारोबार में बाजार में तेजी बनी रही, लेकिन इसके बाद जैसे-जैसे दिन बढ़ता गया, वैसे-वैसे बिकवाली का दबाव भी बढ़ता गया। पहले दो घंटे के कारोबार के बाद दोपहर 11 बजे से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा। विशेष रूप से दोपहर एक बजे के बाद बाजार पर पूरी तरह से बिकवालों का कब्जा हो गया। बिकवाली के दबाव में सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से 730 अंक से अधिक टूट गया। इसी तरह निफ्टी दिन के ऊपर स्तर से लगभग 230 अंक तक लुढ़क गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.21 प्रतिशत और निफ्टी 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

आज दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी, फार्मास्यूटिकल और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। दूसरी ओर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, एनर्जी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह ऑयल एंड गैस, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और कैपिटल गुड्स इंडेक्स भी कमजोरी के साथ लाल निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में डेढ़ लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 460.55 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 462.23 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.68 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

एस्प्री स्पिरिट्स को आईपीओ के लिए सेबी से मिली अंतिम मंजूरी

एजेंसी

मुंबई। मुंबई की एल्को-बेवरेज डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी एस्प्री स्पिरिट्स लिमिटेड को अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से अंतिम मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने 11 दिसंबर, 2025 को सेबी के पास अपने आईपीओ के दस्तावेज जमा किए थे। एस्प्री स्पिरिट्स लिमिटेड का आईपीओ 140 करोड़ रुपये तक का एक नया इश्यू है, जिसमें प्रमोटरों जयकिशन शाम मताई, मताई जैकी शाम एचयूएफ, गौतम नंदकिशोर मताई, अरुणकुमार वेंकट बैंगलोर, दुरू मताई, काजल मताई और वृतिका माताई द्वारा 5,000,000 इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव (ओएफएस) शामिल है। कंपनी के मुताबिक मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड और नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड इस आईपीओ के बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं, और बिगशेयर सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू का रजिस्ट्रार है। इसमें अन्य शेयर बेचने वाले शेयरधारक में परमेश्वरी नारंग, एमराल्ड इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड, पवन नारंग और व्हाइटलाइन इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। गुरगांव में डायबिटीज के लिए यही तरीका अपनाया जा रहा है!

स्टॉक मार्केट में सिम्का एडवर्टाइजिंग की जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री, नुकसान में रहे आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली।। एडवर्टाइजिंग सर्विस देने वाली कंपनी सिम्का एडवर्टाइजिंग के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त डिस्काउंट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 183 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 15 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 156 के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर टूट 148.20 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक गिर गया। इसके बाद में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिससे ये शेयर उछल कर 163.80 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक भी पहुंचा। हालांकि इसके बाद एक बार फिर बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर का अपर सर्किट भी ब्रेक हो गया। दोपहर दो बजे तक मामूली उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार करने के बाद कंपनी के शेयर एक बार फिर 163.80 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए और उसी स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन का कारोबार होने के बाद अपर सर्किट लगने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 19.20 रुपये यानी 10.49 प्रतिशत के नुकसान में रहे। सिम्का एडवर्टाइजिंग का 58.04 करोड़ रुपये का आईपीओ 8 से 12 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 80.88 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 101.08 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 81.54 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 70.90 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 31,71,600 नए शेयर जारी किए गए हैं।आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी एलईडी स्क्रीन खरीदने और उनका इन्स्टॉलेशन करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.57 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 5.78 करोड़ रुपये हो गया। इसके अगले वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी शुद्ध लाभ उछल कर 9.98 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 10.68 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 11.96 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 49.31 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 75.09 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 78.16 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 1.57 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 7.34 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 17.32 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं, पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 19.25 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2022-23 में 2.11 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 7.72 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का ईबीआईटीडीए 13.49 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं, पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 14.37 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

ट्रंप और जिनपिंग के बीच ताइवान, साइबर सुरक्षा, व्यापार और एआई पर हुई ऐतिहासिक चर्चा

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनकी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ कई अहम मुद्दों पर लंबी बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने ताइवान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ईरान, व्यापार, साइबर ऑपरेशन्स और परमाणु हथियारों में कमी जैसे विषयों पर चर्चा की। ट्रंप ने इस बातचीत को 'ऐतिहासिक' बताया और कहा कि इससे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तनाव कुछ कम हो सकता है। अलास्का के एंकरेज जाते समय एयरफोर्स वन विमान में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने शी जिनपिंग की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के बीच कई बड़े अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अच्छी समझ बनी है। ट्रंप ने कहा, 'राष्ट्रपति शी बेहद शानदार व्यक्ति हैं। हमने बहुत अच्छा समय बिताया। मुझे लगता है कि ये दो दिन काफी ऐतिहासिक रहे।' ट्रंप के मुताबिक, बातचीत में सबसे ज्यादा चर्चा ताइवान को लेकर हुई। शी जिनपिंग ने साफ कहा कि वह ताइवान की आजादी की किसी भी कोशिश के खिलाफ हैं। उनका मानना है कि ऐसा होने पर बड़ा टकराव हो सकता है। ट्रंप ने बताया, 'हमने ताइवान पर काफी बात की। शी जिनपिंग नहीं चाहते कि वहां आजादी की लड़ाई जैसी स्थिति बने, क्योंकि इससे गंभीर संघर्ष पैदा हो सकता है।' उन्होंने कहा कि चीनी राष्ट्रपति ने अमेरिका द्वारा ताइवान को हथियार बेचने पर भी चिंता जताई। शी जिनपिंग ने यह भी पूछा कि अगर भविष्य में कोई सैन्य संघर्ष होता है तो क्या अमेरिका ताइवान की रक्षा करेगा।

नेपाल में 100 रुपये से अधिक के सामान पर कस्टम ड्यूटी पर रोक

काठमांडू। नेपाल-भारत सीमा नाकों पर दैनिक उपभोग की वस्तुओं पर लगाए जा रहे कस्टम शुल्क पर नेपाल उच्चतम न्यायालय ने रोक लगा दी है। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश हरि प्रसाद फुयाल और टेक प्रसाद ढुंगाना की संयुक्त पीठ ने 100 रुपये से अधिक मूल्य के दैनिक उपभोग के सामान पर भंसार शुल्क लगाने संबंधी वित्त मंत्रालय के निर्णय पर रोक लगाते हुए अंतरिम आदेश जारी किया। भारत से 100 रुपये से अधिक मूल्य के दैनिक उपभोग के सामान लाने पर भंसार शुल्क लगाने की व्यवस्था को नेपाल संधि के प्रावधानों के खिलाफ बताते हुए अधिवक्ता अमितेश पण्डित सहित अन्य लोगों ने रिट याचिका दायर की थी। इससे पहले वित्त मंत्रालय ने 100 रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर भंसार कर अनिवार्य करने का निर्णय लिया था। इसके बाद तराई-मधेश क्षेत्र के सीमा नाकों पर सख्ती शुरू कर दी गई थी, जिसका स्थानीय लोगों ने विरोध किया था। 27 अप्रैल को दायर रिट याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए उच्चतम न्यायालय ने सरकार को अंतरिम आदेश पर बहस के लिए बुलाया था। सरकार की ओर से दलीलें सुनने के बाद अदालत ने प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद के कार्यालय, वित्त मंत्रालय, गृह मंत्रालय और कस्टम विभाग के नाम अंतरिम आदेश जारी करते हुए तत्काल इस व्यवस्था पर रोक लगाने का निर्देश दिया।

महाद्वीपों का सेतुबंधन: भारत-अफ्रीका संबंधों में एक नए युग की शुरुआत

नई दिल्ली। एक बहुध्रुवीय और समावेशी व्यवस्था की ओर बढ़ते वैश्विक परिदृश्य में भारत और अफ्रीकी महाद्वीप के बीच ऐतिहासिक संबंध एक गहरे परावर्तन की ओर अग्रसर हैं। साझा औपनिवेशिक संघर्षों की विरासत से आगे बढ़ते हुए यह साझेदारी नवान्वेषण, डिजिटल परिवर्तन और रणनीतिक लचीलेपन के एक पावरहाउस के रूप में विकसित हुई है। अफ्रीकी संघ में भारत के स्थायी प्रतिनिधि एवं इथियोपिया में भारत के राजदूत अनिल कुमार राय ने हिन्दुस्तान समाचार के साथ विशेष बातचीत में दक्षिण-दक्षिण सहयोग के भविष्य पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। नई दिल्ली में ऐतिहासिक चौथे भारत-अफ्रीका मंच शिखर सम्मेलन (आई. ए. एफ. एस.-IV) की पूर्व संध्या पर बोलते हुए राय ने एक ऐसे दृष्टिकोण को रेखांकित किया जहां राजनीतिक सद्भावना को मापने योग्य, कार्यान्वयन-संचालित परिणामों में परिभाषित किया गया है।डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डी.पी.आई.) की क्रियान्वयन से लेकर अफ्रीका के एजेंडा 2063 के साथ भारत के विकसित भारत 2047 के समन्वय तक, यह साक्षात्कार आपसी सम्मान और मांग-संचालित विकास द्वारा परिभाषित संबंधों की नब्ज को दर्शाता है। यह समझने के लिए कि कैसे भारत और अफ्रीका न केवल 21वीं सदी में आगे बढ़ रहे हैं, बल्कि सक्रिय रूप से अपने विकास के खाके को फिर से लिख रहे हैं, इस अंतर्दृष्टिपूर्ण संवाद में शामिल है।

नेपाल में दो दिनों के सार्वजनिक अवकाश के बाद पेट्रोलियम पदार्थ की खपत में भारी गिरावट

काठमांडू। नेपाल में पिछले माह के मुकाबले अधिकांश पेट्रोलियम पदार्थों की खपत में कमी आई है। हालिया आंकड़ों के अनुसार पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में भारी वृद्धि के बाद सरकार द्वारा सप्ताह में दो दिन सार्वजनिक अवकाश लागू करने के निर्णय का असर ईंधन की खपत पर पड़ा है। सरकार ने पेट्रोलियम पदार्थों की खपत कम करने के उद्देश्य से पिछले महीने से सप्ताह में दो दिन सार्वजनिक अवकाश देने का निर्णय लागू किया था। इसी नीति के बाद पेट्रोल, डीजल, मिट्टी तेल और खाना पकाने वाली गैस की मांग में गिरावट दर्ज की गई। ताजा रिपोर्ट के अनुसार पेट्रोल, डीजल, मिट्टी तेल और एलपी गैस की खपत घटी है, जबकि हवाई ईंधन की खपत में कुछ वृद्धि हुई है। आंकड़ों के मुताबिक सबसे बड़ी गिरावट डीजल की खपत में देखी गई है।

आईएसआईएस के टॉप कमांडर अबू-बिलाल अल-मिनुकी का हुआ अंत, ट्रंप के निर्देश पर अमेरिकी फोर्स ने की कार्रवाई

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अबू-बिलाल अल-मिनुकी को अमेरिकी और नाइजीरियाई सेनाओं के संयुक्त अभियान में मारा गया है। अबू-बिलाल अल-मिनुकी को दुनिया भर में आईएसआईएस का सेकंड-इन-कमांड बताया जाता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यह मिशन उनके निर्देश पर चलाया गया था और इसमें अमेरिका तथा नाइजीरिया के सुरक्षा बलों ने मिलकर काम किया। ट्रंप ने कहा, 'आज रात, मेरे निर्देश पर बहादुर अमेरिकी फोर्स और नाइजीरिया की आर्म्ड फोर्स ने दुनिया के सबसे सक्रिय आतंकवादियों में से एक को लड़ाई के मैदान से खत्म करने के लिए बेहद सावधानी से तैयार किए गए और कठिन मिशन को बिना किसी गलती के पूरा किया।' उन्होंने आगे कहा, 'आईएसआईएस का दुनिया भर में सेकंड-इन-कमांड अबू-

बिलाल अल-मिनुकी सोचता था कि वह अफ्रीका में छिप सकता है, लेकिन उसे यह नहीं पता था कि हमारे पास ऐसे सोर्स हैं, जो हमें लगातार बताते रहते हैं कि वह क्या कर रहा है। वह अब अफ्रीका के लोगों को नहीं डराएगा और न ही अमेरिकियों को निशाना बनाने के लिए ऑपरेशन की योजना बनाने में मदद कर पाएगा। उसके मारे जाने से आईएसआईएस का वैश्विक नेटवर्क काफी कमजोर हुआ है।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने ऑपरेशन के दौरान नाइजीरियाई सरकार के सहयोग और समर्थन के लिए उनका धन्यवाद भी किया। मौजूदा रिपोर्टों के मुताबिक, अबू-बिलाल अल-मिनुकी को आईएसआईएस की लीडरशिप में शीर्ष रैंक वाले लोगों में से एक माना जाता था और कहा जाता है कि वह संगठन के ग्लोबल डिप्टी कमांडर के तौर पर काम करता था। अल-मिनुकी को अबू बक्र इब्न मुहम्मद इब्न अली अल-मिनुकी के नाम से भी जाना जाता है। आतंकी संगठन में उसकी वरिष्ठ भूमिका के कारण, वर्ष 2023 में अमेरिकी विदेश विभाग ने उसे एग्जीक्यूटिव ऑर्डर 13224 के तहत प्रतिबंधित घोषित किया था। यह आदेश आतंकवाद की फंडिंग और गतिविधियों से जुड़े लोगों और संगठनों को निशाना बनाता है। काउंटर एक्सट्रीमिज्म प्रोजेक्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, अल-मिनुकी मुख्य रूप से अफ्रीका के साहेल क्षेत्र में सक्रिय था, जो करीब 12 देशों में फैला हुआ है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि वह इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रांत (आईएसडब्ल्यूएपी) का वरिष्ठ कमांडर था और आईएसआईएस के जनरल डायरेक्टरेट ऑफ प्रोविंसेज (जीडीपी) के तहत लेक चाड विभाग से जुड़े ऑपरेशन की निगरानी करता था।

ड्रोन भविष्य के युद्ध की दिशा तय करेंगे, समय के साथ चलना जरूरी : अमेरिकी सेना

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने लॉमेकर्स को बताया है कि ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और बिना इंसानी नियंत्रण वाले सिस्टम आधुनिक युद्ध का तरीका तेजी से बदल रहे हैं। सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेन युद्ध से यह साफ हो गया है कि आने वाले समय में लड़ाइयों में सस्ते, बड़ी संख्या में इस्तेमाल किए जा सकने वाले और मानव रहित हथियारों की सबसे बड़ी भूमिका होगी। अमेरिकी कांग्रेस की हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के सामने पेश होते हुए अमेरिकी सेना के सचिव डैनियल ड्रिस्कॉल ने कहा कि युद्ध का स्वरूप बहुत तेज गति से बदल रहा है और जो सेनाएं खुद को समय के हिसाब से नहीं बदलेंगी, वे पीछे छूट जाएंगी। उन्होंने कहा, 'ड्रोन इंसानों के बीच युद्ध करने के तरीके को पूरी तरह बदल रहे हैं। इतिहास में इतनी तेजी से बदलाव पहले कभी नहीं देखा गया। ये सस्ते होते हैं, जरूरत के हिसाब से बदले जा सकते हैं, बेहद सटीक होते हैं और कई तरह के काम कर सकते हैं।' ड्रिस्कॉल ने बताया कि अमेरिकी सेना अब तेजी से ऐसे सिस्टम विकसित कर रही है जिनमें एआई, ऑटोमेटेड तकनीक और आधुनिक कमांड सिस्टम शामिल हों। खासतौर पर अमेरिका भविष्य में इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में संभावित संघर्षों को ध्यान में रखकर तैयारी कर रहा है। यह बयान अमेरिकी सेना के 2027 के बजट पर हुई एक तीखी सुनवाई के दौरान आया। इस दौरान दोनों दलों के प्रतिनिधियों ने यूक्रेन युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि सस्ते ड्रोन अब निगरानी, दुश्मन को निशाना बनाने और बड़े हमलों में बेहद अहम भूमिका निभा रहे हैं। अमेरिकी सेना के जनरल क्रिस्टोफर लानेव ने कहा कि सेना यूक्रेन और मध्य पूर्व के युद्धों से मिले अनुभवों के आधार पर अपनी ट्रेनिंग और युद्ध रणनीति तेजी से बदल रही है।

ट्रंप की हत्या पर 50 मिलियन यूरो का इनाम, ईरानी संसद में पेश किया जाएगा प्रस्ताव

एजेंसी
तेहरान। ईरानी मीडिया में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर एक खबर सामने आई, जिसने सबका ध्यान खींचा है। ताजा रिपोर्ट में ये दावा किया गया है कि ईरानी सरकार ट्रंप की हत्या के बदले 50 मिलियन यूरो के इनाम का एक प्रस्ताव संसद में लाने की तैयारी कर रही है। ईरान वायर के अनुसार, ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के चेयरमैन इब्राहिम अजीजी ने इस्लामिक रिपब्लिक की सैन्य और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा 'काउंटर-एक्शन' नामक योजना का मसौदा तैयार किए जाने की घोषणा की है। इस मसौदे में डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के लिए 50 मिलियन यूरो का इनाम देने का प्रस्ताव शामिल है अजीजी ने कहा कि ट्रंप, इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और यूएस सेंट्रल कमांड (सीईएनटीसीओएम) के कमांडर को काउंटर-एक्शन के लिए टारगेट किया जाना चाहिए। अजीजी ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की हत्या में इनकी भूमिका की वजह से उन्हें टारगेट करने की बात कही।सरकार के सपोर्टर अली अकबर राएफीपुर के मीडिया आउटलेट 'मसाफ' ने पहले दावा किया था कि 'किल ट्रंप' नाम के कैंपेन के लिए 50 मिलियन डॉलर के वित्तीय रिसोर्स सुरक्षित कर लिए गए हैं।ईरान वायर ने बताया कि हैकिंग ग्रुप 'हंडाला' ने एक बयान जारी कर दावा किया था कि समूह ने ट्रंप और नेतन्याहू को खत्म करने के लिए 50 मिलियन डॉलर दिए। हैकिंग ग्रुप के बयान में दावा किया गया कि यह रकम किसी भी ऐसे व्यक्ति या ग्रुप को दी जाएगी जो असल कार्रवाई करेगा। उनके कम्युनिकेशन और फाइनेंशियल चैनल एन्क्रिप्शन और एनोनिमाइजेशन टेक्नोलॉजी से सुरक्षित हैं।ईरान इंटरनेशनल मीडिया के अनुसार, अजीजी ने सरकारी टीवी को बताया कि मार्च में युद्ध शुरू होने के बाद से सांसदों ने कई बिल तैयार किए हैं, जिनमें से एक सैन्य और सुरक्षा बलों द्वारा जवाबी कार्रवाई पर है। अजीजी ने कहा, 'हमारा मानना है कि अमेरिका के राष्ट्रपति, इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू और सेंटकॉम कमांडर को निशाना बनाया जाना चाहिए और उन पर जवाबी कार्रवाई होनी चाहिए।' उन्होंने कहा, 'यह हमारा अधिकार है। जैसे हमारे इमाम शहीद हुए, वैसे ही अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ भी किसी भी मुस्लिम या आजाद इंसान को पेश आना चाहिए। 'अजीजी ने कहा कि प्रस्तावित बिल में यह तय किया गया है कि अगर कोई व्यक्ति या संगठन इस मिशन को अंजाम देता है, तो सरकार उसे इनाम के तौर पर 50 मिलियन यूरो देने के लिए बाध्य होगी। मार्च की शुरुआत में ईरान में मोबाइल यूजर्स को भेजे गए बड़े पैमाने के टेक्स्ट मैसेज में 'ट्रंप की हत्या के लिए इनाम' से जुड़े एक अंतरराष्ट्रीय अभियान का प्रचार किया गया था।

अमेरिका की सेकंड लेडी उषा वेंस ने शुरू किया समर रीडिंग चैलेंज, बच्चों में पढ़ने की आदत बढ़ाने में जुटीं

एजेंसी
वाशिंगटन। बच्चों में पढ़ाई-लिखाई को बढ़ावा देने की अपनी कोशिश के तहत, अमेरिका की सेकंड लेडी उषा वेंस ने फ्लोरिडा के एक चार्टर स्कूल का दौरा किया। यहां उन्होंने देशभर के स्टूडेंट्स के लिए अपने समर रीडिंग चैलेंज के बारे में बताया। फ्लोरिडा के डोरल में एकेडमिर एकेडमी चार्टर स्कूल ईस्ट के अपने दौरे के दौरान, सेकंड लेडी ने स्टूडेंट्स को एंड्रिया बीटी की लिखी किताब एडा ट्विस्ट द साइंटिस्ट पढ़कर सुनाई। उन्होंने पढ़ने की अहमियत के बारे में भी बताया और बच्चों और फैकल्टी मेंबर्स के सवालों के जवाब दिए। उषा वेंस ने कहा, 'मियामी में इतने सारे कमाल के बच्चों से मिलना और उनके साथ पढ़ने का हुनर ??शेयर करना बहुत खुशी की बात थी। मुझे उन्हें अपने आने वाले समर रीडिंग चैलेंज और पिछले साल के चैलेंज के बाद से किए गए मजेदार अपडेट्स के बारे में बताना बहुत अच्छा लगा। मैं इस गर्मी में देश भर के बच्चों की कहानियों के जरिए सीखने और आगे बढ़ने के लिए उत्साहित हूं।' स्कूल अधिकारियों ने कहा कि इस दौरे में पढ़ाई-लिखाई, शिक्षा और स्टूडेंट डेवलपमेंट पर फोकस किया गया। ओलिविया बर्नल ने कहा, 'आज का दौरा खास तौर पर इसलिए मायने रखता है क्योंकि हम सेकंड लेडी के समर रीडिंग इनिशिएटिव के जरिए लिटरेसी, लर्निंग और शिक्षा की ट्रांसफॉर्मेटिव पावर के समर्थन में एक साथ आ रहे हैं। एकेडमिर चार्टर स्कूल्स में, हमारा मानना है कि पढ़ने से इमैजिनेशन, मौके और जिंदगी भर की सफलता के दरवाजे खुलते हैं। हमें इस जरूरी पहल का समर्थन करने पर गर्व है और हम अपने स्टूडेंट्स को जिंदगी भर पढ़ने वाले, क्रिटिकल थिंकर और फ्यूचर लीडर बनने के लिए इंस्पायर करने के लिए कमिटेड हैं।' समर रीडिंग चैलेंज, वेंस के बड़े चाइल्डहुड लिटरेसी इनिशिएटिव का हिस्सा है। द सेकंड लेडी ने हाल ही में एक पॉडकास्ट 'स्टोरीटाइम विद द सेकंड लेडी' लॉन्च किया है, जिसमें गेस्ट और सेलिब्रिटी बच्चों की कहानियां जोर से पढ़ते हैं। हाल के गेस्ट में पूर्व एनएएससीएआर ड्राइवर डैनिका पैट्रिक, एक्टर चेरिल हाइन्स, इंटर मियामी सीएफ प्लेयर इयान फ्रे और वेंस की मां, लक्ष्मी चिलुकुरी शामिल हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि समर रीडिंग चैलेंज के बारे में और जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध है। पॉडकास्ट स्पोटिफाई और यूट्यूब पर भी उपलब्ध है।

लेबनान में हमले में तीन पैरामेडिक्स की मौत; पीएम सलाम ने कूटनीति के लिए वैश्विक समर्थन की अपील की

एजेंसी
बेरूत। दक्षिणी लेबनान में एक एयरस्ट्राइक में तीन पैरामेडिक्स मारे गए और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने लेबनान के डिप्लोमैटिक प्रयासों के लिए अरब और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा समर्थन की अपील की। उन्होंने चेतावनी दी कि देश अपनी शुरुआत के बाद से सबसे बड़े संकट का सामना कर रहा है।

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि स्ट्राइक हारौफ शहर में इस्लामिक स्वास्थ्य अथॉरिटी के चलाए जा रहे एक सिविल डिफेंस सेंटर पर हुई और वह पूरी तरह से तबाह हो गया। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, मंत्रालय ने इजरायल पर मेडिकल और बचाव कर्मचारियों को निशाना बनाकर किए गए हमलों के जरिए अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून तोड़ने का आरोप लगाया। सलाम ने कहा कि सबसे नई जंग लेबनान पर थोपी गई और

इसके नतीजे में इजरायल ने 68 शहरों, गांवों और जगहों पर कब्जा कर लिया।उन्होंने कहा कि लेबनान तब तक उबर नहीं सकता जब तक युवा लोग बाहर जाते रहें, मिडिल क्लास खत्म होता रहे और शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे जरूरी क्षेत्र जिंदा रहने के लिए संघर्ष करते रहें।

लड़ाई का मौजूदा दौर 2 मार्च को शुरू हुआ, जब ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल युद्ध से पैदा हुए तनाव के बीच हिज्बुल्लाह ने इजरायल की ओर रॉकेट दागे। इजरायल ने बड़े पैमाने पर हवाई हमले और लेबनान पर जमीनी हमला करके जवाब दिया।इस बीच, ताजा घटनाक्रम में, अमेरिकी राज्य विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा है कि इजरायल और लेबनान अपने सीजफायर को 45 दिन बढ़ाने पर सहमत हो गए हैं, जो पिछले महीने लागू हुआ था। राज्य विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने एक्स पर कहा, '16 अप्रैल को दुश्मनी खत्म होने की अवधि को आगे बढ़ने के लिए 45 दिन और बढ़ाया जाएगा।' पिगॉट ने कहा कि इजरायल और लेबनान 2-3 जून को अमेरिकी राज्य विभाग में राजनीतिक बातचीत फिर से शुरू करेंगे, जबकि उनके मिलिट्री डेलिगेट 29 मई को पेंटागन में पैरेलल सिक्योरिटी बातचीत शुरू करने वाले हैं।दोनों देशों ने गुरुवार और यहां अपनी सीधी बातचीत का तीसरा राउंड किया, जिसे पिगॉट ने 'बहुत प्रोडक्टिव' बताया। सीजफायर के बावजूद, दक्षिणी लेबनान में इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच झड़पें जारी हैं। हिज्बुल्लाह ने कहा कि उसने दक्षिणी लेबनान के कई इलाकों में इजरायली ड्रोन, सैनिकों, मिलिट्री बुलडोजर और एक मर्कवा टैंक को निशाना बनाया।

इजरायली सेना प्रमुख और वरिष्ठ अफसरों की यूएई में युद्ध के दौरान हुईं गुप्त बैठकें : इजरायली सरकारी मीडिया

एजेंसी
जेरूसलम। इजरायली सेना के प्रमुख इयाल जमीर और दूसरे सीनियर अफसरों ने ईरान के साथ हाल ही में हुए युद्ध के दौरान चुपके से यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) का दौरा किया। यह जानकारी इजरायल के सरकारी कान टीवी न्यूज ने दी। चैनल के अनुसार, इस यात्रा के दौरान जमीर ने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और कुछ वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों से मुलाकात की। हालांकि?, चैनल ने यह नहीं बताया कि यह यात्रा किस तारीख को हुई। यह युद्ध 28 फरवरी को शुरू हुआ था और आठ अप्रैल को संघर्षविराम के साथ खत्म हुआ था। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने बताया था कि उन्होंने भी इस युद्ध के दौरान यूएई का गुप्त दौरा किया और वहां राष्ट्रपति से मुलाकात की। लेकिन, यूएई के विदेश मंत्रालय ने कहा कि नेतन्याहू के देश में आने की बात सही नहीं है। इससे पहले मीडिया रिपोर्टों में यह भी कहा गया था कि इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद के प्रमुख डेविड बार्निया और घरेलू सुरक्षा एजेंसी शिन बेट के प्रमुख डेविड जिड़नी ने भी इसी दौरान यूएई का गुप्त दौरा किया था।

कान टीवी ने यह भी कहा कि ये सभी यात्राएं इजरायल और यूएई के बीच बढ़ते संबंधों की ओर इशारा करती हैं। पिछले कुछ वर्षों में यूएई, इजरायल का एक अहम क्षेत्रीय साझेदार बन गया है, खासकर उन सामान्यीकरण समझौतों के बाद जिन्हें अब्राहम समझौते के तहत किया गया था। दोनों देशों के बीच व्यापार, तकनीक, पर्यटन और खुफिया जानकारी साझा करने जैसे क्षेत्रों में सहयोग लगातार बढ़ा है, हालांकि क्षेत्र में कभी-कभी तनाव भी बना रहता है।

ट्रंप-शी समिट में प्रतीकात्मक और रणनीतिक संदेश तो मिले लेकिन ठोस परिणाम नहीं निकला: विशेषज्ञ

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तीन दिवसीय चीन दौरा पूरा कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस (सीएफआर) के चीन के जाने-माने विशेषज्ञों का मानना है कि राष्ट्रपति ट्रंप और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई हाई-प्रोफाइल बैठक ने प्रतीकात्मक और रणनीतिक संदेश तो जरूर दिए, लेकिन इससे कोई ठोस उपलब्धि हासिल नहीं हुई। इस मुलाकात का मकसद दोनों देशों के बीच संवाद बनाए रखना और वैश्विक स्तर पर राजनीतिक संकेत देना ज्यादा था, जबकि व्यापार, सुरक्षा और ताइवान जैसे अहम मुद्दों पर कोई बड़ा समाधान सामने नहीं आया। विशेषज्ञों ने कहा कि बीजिंग समिट ने पिछले साल के व्यापार टकराव के बाद कुछ समय के लिए तनाव को कम करने में मदद की, लेकिन ताइवान, तकनीकी

कंट्रोल, टैरिफ, रेयर अर्थ मिनरल्स और ईरान पर गहरे विवादों को सुलझाने में नाकाम रही। सीएफआर के एशिया स्टडीज के सीनियर फेलो और चाइना स्ट्रैटेजी इनिशिएटिव के डायरेक्टर रश दोशी ने एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, 'यह एक ऐसी समिट है जो असलियत से ज्यादा सिंबल पर ज्यादा थी।' दोशी ने कहा कि बीजिंग उस नाजुक शांति को बढ़ाने पर फोकस कर रहा था जो पिछले साल दोनों देशों के अपने व्यापार युद्ध को रोकने के बाद पैदा हुई थी।उन्होंने कहा, 'चीन का मकसद रणनीतिक रूप से अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए समय और स्थिरता खरीदना है। मुझे लगता है कि उन्होंने मोटे तौर पर वह मकसद हासिल कर लिया है।' समिट पर एक बड़ी चिंता रेयर अर्थ मिनरल्स और जरूरी सप्लाई चेन्स में चीन का दबदबा था। सीएफआर के सेंटर फॉर जियोइकोनॉमिक स्टडीज की सीनियर फेलो हेइडी क्रेबो-रेडिकर ने कहा कि पिछले साल रेयर अर्थ्स और मैग्नेट्स पर चीन के एक्सपोर्ट पर रोक ने अमेरिका और यूरोपीय उद्योगों में गंभीर कमजोरियों को सामने ला दिया। उन्होंने कहा, 'अब असल में चीन के पास दुनिया की ग्लोबल एडवांस्ड इंडस्ट्रियल इकॉनमीज़ पर डैमोकल्स की तलवार है।' उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिका डिफेंस सिस्टम्स, सेमीकंडक्टर्स और इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए चीन के कंट्रोल वाली सप्लाई चेन्स पर बहुत ज्यादा निर्भर है। उन्होंने कहा, 'हम मजबूती से सालों दूर हैं। चीन कीमतों पर दबाव डालकर अल्टरनेटिव रेयर अर्थ सप्लाई चेन को कुचलने की कोशिश कर रहा है।' आर्थिक मोर्चे पर, सीएफआर फेलो जोंगयुआन जोई लियू ने कहा कि समिट ने तुरंत तनाव बढ़ने का खतरा कम कर दिया।

पेंटागन ने पोलैंड में 4,000 से अधिक अमेरिकी सैनिकों को तैनात करने की योजना रद्द की

एजेंसी
वाशिंगटन। पेंटागन ने अमेरिका में तैनात 4,000 से अधिक सैनिकों को अस्थायी रूप से पोलैंड भेजने की योजना रद्द कर दी है। कई अमेरिकी मीडिया संस्थानों ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी। इसके साथ ही समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सेना के कार्यवाहक चीफ ऑफ स्टाफ क्रिस्टोफर ला नेव ने कांग्रेस की सुनवाई के दौरान बताया कि अमेरिकी यूरोपीय कमान के प्रमुख को 'सैन्य बलों में कटौती के निर्देश प्राप्त हुए थे।' ला नेव ने कहा, 'मैंने उनके साथ करीबी परामर्श में इस बात पर काम किया कि कौन-सी सैन्य इकाई इसमें शामिल होगी और यह निर्णय लिया गया कि उस ब्रिगेड के लिए थिएटर में तैनाती न करना सबसे उपयुक्त होगा।' वह सेकेंड आर्मर्ड ब्रिगेड काम्बेट टीम का जिक्र कर रहे थे। जनरल ने बताया कि यूनिट के कुछ हिस्सों को पहले ही विदेश भेजा जा चुका था और उसका सैन्य उपकरण रास्ते में था। तैनाती रद्द करने का आदेश अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के कार्यालय से आया था। हालांकि, इस बारे में कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई है।

सीनेट की सशस्त्र सेवा समिति में शामिल डेमोक्रेट सदस्य जीन शाहीन ने कहा कि कांग्रेस को इसकी जानकारी नहीं दी गई थी। उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'जहां तक मुझे जानकारी है, हमें इसके बारे में सूचित नहीं किया गया था।' पेंटागन ने दो सप्ताह पहले घोषणा की थी कि अगले छह से 12 महीनों में जर्मनी से लगभग 5,000 अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाया जाएगा। इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इटली के मीडिया से कहा था कि वह अभी भी इटली में स्थित सैन्य अड्डों से सैनिकों को हटाने पर 'विचार कर रहे हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि 'जब हमें जरूरत थी, तब इटली हमारे साथ नहीं था।' स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। ट्रंप ने यह टिप्पणी एक फोन इंटरव्यू में की थी। ट्रंप की सैनिकों के स्थानांतरण संबंधी टिप्पणी पर इटली के रक्षा मंत्री गुइडो क्रोसेट्टो ने कहा कि वह इसके पीछे की 'तर्कसंगतता को समझ नहीं पा रहे हैं।' उन्होंने कहा कि इटली अन्य देशों के साथ मिलकर होर्मुज जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंगों को हटाने और समुद्री नौवहन की सुरक्षा के लिए एक मिशन की तैयारी कर रहा है।

अमेरिका में भारतीय मूल के युवक को हथियार तस्करी में 64 माह की जेल

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका के कैलिफोर्निया में भारतीय मूल के जशनप्रीत सिंह को हथियारों की तस्करी और मशीनगन रखने के आरोप में 64 महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। पंजाब निवासी 27 वर्षीय जशनप्रीत सिंह को पूरे पांच साल और चार महीने संघीय जेल में गुजारने होंगे। यह घोषणा अमेरिकी अटॉर्नी एरिक ग्रांट ने की। यूनाइटेड स्टेट्स अटॉर्नी ऑफिस ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट ऑफ कैलिफोर्निया की वेबसाइट पर जशनप्रीत को सजा सुनाने और उसके जुर्म का विवरण साझा किया गया है। विवरण के अनुसार जशनप्रीत 'पंजाबी डेविल्स' मोटरसाइकिल क्लब का संस्थापक है। 'पंजाबी डेविल्स' को असल में हथियारों की तस्करी और हेल्स एंजेल्स से जुड़ा एक अपराधी गिरोह बताया गया है। 06 जून, 2025 को जशनप्रीत ने एक अंडरकवर अधिकारी को हथियार (असाल्ट हथियार, रिवॉल्वर, मशीनगन) बेचने की कोशिश की। इसके बाद उसके घर पर छापा मारा गया। तलाशी में और भी हथियार मिले। इनमें मशीन गन, मशीन गन कन्वर्नज डिवाइस और एक साइलेंसर शामिल हैं। अधिकारियों को एक अनानास शैली का कैप लगा और फ्यूज किया हुआ हैंड ग्रेनेड भी मिला। सैन जोकिन काउंटी शेरिफ विभाग की बम टीम के विस्फोटक निरोधक दस्ते ने घटनास्थल पर ही इनको नष्ट किया।

भारत-अमेरिका के संबंधों में नए प्रेशर पॉइंट्स, पूर्व राजदूत ने टैरिफ, वीजा कटौती समेत अन्य चुनौतियां गिनाईं

एजेंसी
वॉशिंगटन। भारत में अमेरिका के पूर्व राजदूत रिचर्ड वर्मा ने चेतावनी दी है कि टैरिफ, स्टूडेंट वीजा में कमी और क्लीन एनर्जी में सहयोग में कमी जैसे मुद्दों की वजह से अमेरिका-भारत संबंध मुश्किल दौर में जा रहे हैं। हालांकि उन्होंने भारत को इस सदी में अमेरिका की 'सबसे महत्वपूर्ण साझेदारियों' में से एक बताया। इस हफ्ते काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस के 2026 इंटरनेशनल अफेयर्स फेलोशिप कीनोट में बोलते हुए, वर्मा ने कहा कि पिछले 25 सालों में संबंध काफी बढ़े हैं, लेकिन अब नए प्रेशर पॉइंट्स का सामना कर रहे हैं। वर्मा ने कहा, 'संबंध का आर्किटेक्चर और महत्व अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे जरूरी है। मेरा मानना ??है, जैसा कि पूर्व राष्ट्रपति ओबामा कहते थे, यह इस सदी में अमेरिका के लिए सबसे अहम पार्टनरशिप है। बता दें, वर्मा अभी मास्टरकार्ड में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी और राज्य के पूर्व उपसचिव हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत ने 2000 में राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के भारत दौरे के बाद से वाशिंगटन की सबसे तेजी से बढ़ने वाली रणनीतिक साझेदारियों में से एक बनाई है।

उन्होंने कहा, 'हम 2000 में रक्षा व्यापार में 0 से 20 बिलियन डॉलर तक पहुंच गए। हम टू-वे ट्रेड में 20 बिलियन से 200 बिलियन डॉलर से ज्यादा पर पहुंच गए।' उन्होंने कहा कि लोगों के बीच संबंध भी बढ़े हैं और अब अमेरिका में सबसे ज्यादा विदेशी स्टूडेंट भारतीय छात्र हैं। हालांकि, इसके बावजूद भी उन्होंने माना कि दोनों देशों के बीच ये साझेदारी अब दबाव में है। उन्होंने कहा, 'भारत और ब्राजील ही ऐसे दो देश थे जिन पर 50 फीसदी टैरिफ था। यह कुछ समझ से बाहर था। इमिग्रेशन कम हो गया है। स्टूडेंट वीजा मिलना कम हो गया है। स्वच्छ ऊर्जा सहयोग अगर खत्म नहीं हुआ है, तो कम हो गया है।'

वर्मा की यह बात भारतीय स्टूडेंट्स और टेक्नोलॉजी प्रोफेशनल्स के बीच ट्रंप सरकार के दूसरे टर्म में सख्त अमेरिकी वीजा नीति और पाबंदियों को लेकर बढ़ती चिंता के बीच आई है। चर्चा के दौरान एक और मौके पर वर्मा ने कहा कि भारतीय स्टूडेंट वीजा अप्रूवल में तेजी से गिरावट आई है। उन्होंने एफ-1 स्टूडेंट वीजा का जिक्र करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि कम से कम भारतीय स्टूडेंट्स के लिए रेट 60-70 फीसदी कम हो गए हैं।'

उन्होंने चेतावनी दी कि ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, जापान, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे देश अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए जोरदार मुकाबला कर रहे हैं। वर्मा ने कहा, 'वे इन स्टूडेंट्स को बहुत ज्यादा चाहते हैं क्योंकि वे जानते हैं कि वे अमेरिकी समाज में क्या जोड़ सकते हैं। 'पूर्व राजदूत ने यह भी कहा कि आने वाले दशक में भारत ग्लोबल पावर बैलेंस का केंद्र बना रहेगा। उन्होंने कहा, '2030 का भारत में सबसे बड़ा मिडिल क्लास होगा, सबसे ज्यादा कॉलेज ग्रेजुएट होंगे, सबसे ज्यादा इंटरनेट यूजर होंगे।' वर्मा ने पहले के अमेरिकी राष्ट्रपतियों का जिक्र करते हुए बार-बार अमेरिका-भारत के बीच करीबी सहयोग के पीछे के रणनीतिक लॉजिक पर जोर दिया। उन्होंने याद दिलाया कि राष्ट्रपति ड्वाइट आइजनहावर ने भविष्यवाणी की थी कि अगर अमेरिका और भारत सबसे करीबी दोस्त और साझेदार होते तो दुनिया एक सुरक्षित जगह होती।वर्मा ने आगे कहा, 'राष्ट्रपति केनेडी ने असल में कहा था कि एशिया में किस्मत का फैसला भारत पर है।'

page 1 and 8 may 17_page 1 Mar 25 final ds.qxd 5/17/2026 2:07 AM Page 2

स्थानीय समाचार

श्रद्धा व भक्ति के साथ मनाई गई शनिवारी अमावस्या

जम्मू, 16 मई (हि.स.)। त्रिकुटा नगर सेक्टर-7 स्थित शिव मंदिर में शनिवारी अमावस्या श्रद्धा, आस्था और धार्मिक उल्लास के साथ मनाई गई। मंदिर परिसर में दिनभर हजारों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जहां भक्तों ने पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया और धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लिया। भव्य आयोजन मंदिर समिति द्वारा प्रधान शिव कुमार जॉली और वरिष्ठ सदस्य विजय वैद के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ रहा जिसमें श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और भक्ति भाव के साथ भाग लिया। मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से गूंज उठा और पूरे क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों और परिवारों की भागीदारी रही। श्रद्धालुओं ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से मानसिक शांति, आत्मिक बल और जीवन की चुनौतियों का सामना करने की नई ऊर्जा मिलती है। साथ ही ऐसे कार्यक्रम सामाजिक एकता, सांस्कृतिक मूल्यों और सामूहिक सौहार्द को भी मजबूत करते हैं। इस अवसर पर भगवान चन्नी महाराज के आशीर्वाद स्वरूप विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया जिसमें श्रद्धालुओं को पारंपरिक व्यंजन परोसे गए। स्वयंसेवकों ने सेवा भाव से श्रद्धालुओं की सेवा की। मंदिर प्रधान शिव कुमार जॉली ने कहा कि शनिवारी अमावस्या पर मंदिर में शायद पहली बार इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। उन्होंने सफल आयोजन के लिए मंदिर समिति और स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की तथा कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में मानवता, अनुशासन, करुणा और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं। इस अवसर पर अजय गुप्ता, मैडम गिरिजा, पब्बा जी, डी.पी. अरोड़ा, देविंदर चौधरी, नाना जी रैना, अनीता, उर्मिल अरोड़ा, राजेश गुप्ता, मुख्य पुजारी पंकज पंडित, सुरेश सेठी, पंडित विजय और पंडित मोहिंदर जी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मीरां साहिब में नाका चेकिंग के दौरान 11 ग्राम हेरोइन बरामद

जम्मू, 16 मई (हि.स.)। नशा विरोधी अभियान के तहत जम्मू मुख्यालय ज़ोन पुलिस ने मीरां साहिब क्षेत्र में एक और कार्रवाई करते हुए करीब 11 ग्राम हेरोइन जैसे पदार्थ की बरामदगी की है। जानकारी के अनुसार पुलिस थाना मीरां साहिब की टीम डाक बंगला मरालियां रोड पर नाका चेकिंग कर रही थी इसी दौरान एक मोटरसाइकिल सवार संदिग्ध व्यक्ति ने पुलिस नाका देखकर भागने का प्रयास किया जिसे पुलिस पार्टी ने तत्परता से पकड़ लिया। पूछताछ में उसकी पहचान राज कुमार पुत्र देव राज निवासी सिम्बल, मीरां साहिब के रूप में हुई। नियमानुसार कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद तलाशी के दौरान उसके कब्जे से हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद हुआ जिसका वजन लगभग 11 ग्राम बताया गया है। बरामद नशे के पदार्थ को मौके पर ही जब्त कर लिया गया और संबंधित धाराओं के तहत थाना मीरां साहिब में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है

शिवसेना ने जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य दर्जे और अधिकार बहाली की मांग की

जम्मू, 16 मई (हि.स.)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने जम्मू-कश्मीर से केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए राज्य के अधिकारों और पहचान को बहाल करने की मांग की है। श्रीनगर में तीन दिवसीय कश्मीर दौरे के दूसरे दिन आयोजित प्रेस वार्ता में पार्टी की जम्मू-कश्मीर इकाई के प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने कहा कि अब जनता केवल आश्वासनों से संतुष्ट नहीं होगी और केंद्र को अपनी नीतियों एवं नीयत को स्पष्ट करना होगा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा (स्टेटहुड) तुरंत बहाल किया जाए तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत किया जाए क्योंकि निर्वाचित सरकार के अधिकारों में कटौती लोकतंत्र की भावना के विपरीत है। साहनी ने यह भी मांग की कि राज्य को संवैधानिक विशेष सुरक्षा व्यवस्था के दायरे में शामिल किया जाए ताकि स्थानीय लोगों के भूमि, संसाधन और रोजगार अधिकार सुरक्षित रह सकें।

कठुआ में कैंसर जागरूकता की पहल, डीसी ने प्रो. के.बी. अबरोल मेमोरियल कैंप का किया उद्घाटन

कठुआ, 16 मई (हि.स.)। जिले में कैंसर जागरूकता और प्रारंभिक जांच को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रो. के.बी. अबरोल मेमोरियल कैंसर आउटरीच कैंप का आयोजन गुप्ता हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर कठुआ में किया गया। इस कैंप का उद्घाटन उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा ने किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय रैना और प्रसिद्ध सर्जन एवं गुप्ता हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक डॉ. एके गुप्ता भी उपस्थित रहे। यह आउटरीच अभियान 'लाजवंती भगत नाथ रेडिएशंस ऑफ होप' कैंसर केयर फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा अमेरिकन ऑन्कोलॉजी इंस्टीट्यूट जम्मू के सहयोग से आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य लोगों में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना, समय पर जांच को प्रोत्साहित करना और क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना रहा। कैंप के सफल आयोजन में एसएमवीडीयू के छात्रों ने स्वयंसेवक के रूप में योगदान दिया। इस दौरान वरिष्ठ यूरोलॉजिस्ट डॉ. अमित सूरी, सीनियर सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. अविनाश राजरा, सीनियर ब्रेस्ट ऑनकोप्लास्टिक सर्जन डॉ. सुरभि कुड्यार और सीनियर क्लिनिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. दीपक अबरोल ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। कार्यक्रम में एलबीएनआरओएच के सचिव शशि खजूरिया, विगत चंदन और आशुतोष गुप्ता सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। उपायुक्त ने आयोजकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कैंपों को जिले के दूर-दराज क्षेत्रों तक भी पहुंचाया जाना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। कैंप के दौरान मुफ्त परामर्श, निरूशुल्क जांच, ट्यूमर मार्कर स्क्रीनिंग सहित अन्य उन्नत परीक्षण किए गए। साथ ही कैंसर जागरूकता से संबंधित जानकारीपूर्ण सामग्री भी वितरित की गई। इस पहल ने स्वास्थ्य संस्थानों और सामाजिक संगठनों के सामूहिक प्रयासों को दर्शाते हुए एक जागरूक, स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण के संकल्प को दोहराया।

100 जिंदगियाँ, एक मिशन- श्री माता वैष्णो देवी नारायणा सुपरस्पेशलिटी अस्पताल ने राजौरी में जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी का अनोखा शतक मनाया

राजौरी, 16 मई। को राजौरी में एक अनोखे शतक का जश्न मनाया गया — यह शतक क्रिकेट के मैदान पर नहीं, बल्कि उन मरीजों की ज़िंदगी में बना जिन्होंने दर्द के बीच जीना अपनी किस्मत मान लिया था।

आयुष्मान भारत योजना के 100 से अधिक लाभार्थी मरीज अपने डॉक्टर, स्थानीय नागरिकों और श्री माता वैष्णो देवी नारायणा सुपरस्पेशलिटी अस्पताल के सीनियर जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. विकास पाधा के साथ एकत्र हुए। यह आयोजन राजौरी और पुंछ के दूरदराज़ जनजातीय एवं सीमावर्ती क्षेत्रों के मरीजों की 100 से अधिक सफल Knee Replacement और Hip Replacement सर्जरी पूरी होने के उपलक्ष्य में किया गया।

इनमें से कई मरीज वर्षों से घुटनों और कूल्हों के दर्द से जूझ रहे थे। चलना-फिरना तक मुश्किल हो गया था और लाखों रुपये की सर्जरी उनके लिए केवल एक सपना थी। समस्या सिर्फ इलाज की नहीं थी, बल्कि इलाज तक पहुंच की थी।

करीब दो वर्ष पहले डॉ. विकास पाधा ने राजौरी में मासिक Outreach OPD की शुरुआत की, ताकि दूरदराज़ क्षेत्रों के उन मरीजों तक पहुंचा जा सके जो कटरा स्थित अस्पताल तक नहीं पहुंच पाते थे। इन Outreach कार्यक्रमों के माध्यम से गांव-गांव जाकर मरीजों की पहचान की गई, उन्हें

परामर्श दिया गया और आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज के लिए मार्गदर्शन किया गया।

इसके बाद जो हुआ, उसने कई ज़िंदगियाँ बदल दीं। जो मरीज कभी सहारे के बिना चल नहीं पाते थे, आज वे अपने पैरों पर खड़े होकर सामान्य जीवन जी रहे हैं।

यह पहल श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के निरंतर सहयोग से संभव हो पाई, जिसके अधीन श्री माता वैष्णो देवी नारायणा सुपरस्पेशलिटी अस्पताल कार्य करता है। श्राइन बोर्ड ने Outreach Healthcare और जनकल्याण को प्राथमिकता देते हुए दूरदराज़ और जनजातीय इलाकों तक उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं के एक नए मॉडल को दर्शाती है — जहाँ अब मरीज अस्पताल तक नहीं पहुंच रहे, बल्कि अस्पताल मरीजों के दरवाज़े तक पहुंच रहा है।

Outreach कार्यक्रमों, आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं और सस्ती चिकित्सा सेवाओं के माध्यम से श्राइन बोर्ड ने दूरस्थ क्षेत्रों और विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं के बीच की दूरी को कम किया है।

इस अवसर पर डॉ. विकास पाधा ने मरीजों और उनके परिवारों का विश्वास जताने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि आयुष्मान भारत योजना ने गरीब और जरूरतमंद मरीजों के लिए महंगी सर्जरी को संभव बनाया।

उन्होंने कहा, आयुष्मान भारत योजना के बिना यह संभव नहीं था। लाखों रुपये की Knee Replacement और Hip Replacement जैसी सर्जरी उन लोगों तक पहुंच सकी जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. यशपाल शर्मा ने कहा यह अनोखा शतक केवल एक मेडिकल उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह इस बात का प्रमाण है कि Outreach Healthcare किस तरह लोगों की ज़िंदगी बदल सकता है।

पेयजल संकट को लेकर विधायक डॉ. भारत भूषण ने मंत्री को कराया अवगत

श्रीनगर, 16 मई (हि.स.)। कठुआ के विधायक डॉ. भारत भूषण ने शनिवार को सिविल सचिवालय श्रीनगर में जल शक्ति मंत्री जावेद अहमद राणा से मुलाकात कर जिले में व्याप्त पेयजल समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

विधायक ने मंत्री को अवगत कराया कि कठुआ नगर तथा विधानसभा क्षेत्र के कंडी इलाकों में विशेषकर गर्मी के मौसम में पेयजल की भारी किल्लत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि लोगों को पानी की कमी से काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए जल आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने की तत्काल आवश्यकता है। डॉ. भारत भूषण ने यह भी बताया कि जल जीवन मिशन के तहत कई योजनाएं अंतिम चरण में हैं, जिन्हें भौतिक एवं वित्तीय रूप से शीघ्र पूरा कर जनता के लिए क्रियाशील बनाना जरूरी है, ताकि लोगों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने मंत्री को कठुआ, लखनपुर और नगरी कस्बों के लिए स्वीकृत लगभग 55 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी अमृत 2.0 योजनाओं का शिलान्यास करने का निमंत्रण भी दिया। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के लागू होने से वर्ष 2040 की अनुमानित आबादी को ध्यान में रखते हुए इन क्षेत्रों में सुचारू पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।